● वर्ष : 17 ● अंक : 199 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

रविवार 10 मई 2026

शुभेंदु अधिकारी बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने; बांग्ला में शपथ ली

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे। भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है। शुभेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है। हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शुभेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। उल्लेखनीय है कि, चार मई को घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया था। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे माना जा रहा था। शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की।

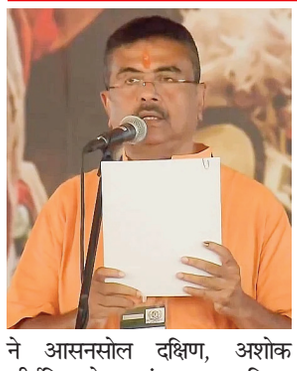

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के गठन को मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के गठन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नौ मई 2026 का दिन इतिहास में ''नई उम्मीद, सम्मान और सुशासन'' के अध्याय के रूप में याद रखा जाएगा। मोदी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात रही। प्रधानमंत्री ने कहा, ''9 मई 2026 का दिन इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस के रूप में दर्ज होगा। यह दिन नई आशा, गरिमा और सुशासन के नए अध्याय के वादे के साथ हमेशा याद रखा जाएगा। कोलकाता के प्रतिष्ठित 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में, भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण की। मुझे और मेरे साथ कई अन्य लोगों को इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह ''पोइला बैसाख'' के अवसर पर और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के दिन होना ''सुखद संयोग'' है। इस समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके कालजयी शब्दों ने लंबे समय से राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है और उनकी दूरदृष्टि भारत की विकास यात्रा को निरंतर आलोकित कर रही है।

पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा, समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर: नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर सुवेंदु अधिकारी को सफल कार्यकाल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' की शक्ति के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर है तथा 'सोनार बांग्ला' के साझा संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। नितिन नवीन ने एक्स पर साझा किए बधाई संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सुवेंदु अधिकारी के सशक्त नेतृत्व में पश्चिम बंगाल दशकों के भ्रष्टाचार, कुशासन और अव्यवस्था से मुक्त होकर सुशासन, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। नवीन ने पश्चिम बंगाल में बनाए गए मंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक को पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। दशकों की प्रतीक्षा के बाद आज राज्य में सुशासन, विकास और जनविश्वास के एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल और डीजल के 15 मई से पहले बढ़ सकते हैं दाम!

नई दिल्ली। युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें सातवें आसमान पर हैं। इसके बाद भी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में घरेलू स्तर पर कोई इजाफा नहीं किया है, लेकिन आने वाले एक हफ्ते में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15 मई से पहले इजाफा होगा। कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को हर एक महीने 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। बता दें युद्ध की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित हुआ है। इसी रास्ते से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है। तेल की सप्लाई प्रभावित होने की वजह से दुनिया भर में कच्चे तेल का रेट काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से कई देशों में पेट्रोल और डीजल के रेट में भारी इजाफा देखने को मिला है। हॉन्ग कॉन्ग में पेट्रोल का रेट 295 रुपए, सिंगापुर में 240, नीदरलैड्स में 225, इटली में 210 और यूके में 195 रुपए के स्तर पर पहुंच गए। वहीं, भारत में यह 95 रुपए के आस-पास बना हुआ है।

केरल के कांग्रेस नेताओं की खरगे के घर बैठक, राहुल सहित कई नेता मौजूद

नई दिल्ली। केरल में मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर शनिवार को बैठक जारी है। बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नितला, केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ, एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अन्य नेता शामिल हैं। कांग्रेस नेता दीपा दास मुंशी भी बैठक में मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री पद के लिए तीन नामों पर चर्चा हो रही है। इनमें केसी वेणुगोपाल, वीडी सतीशन और रमेश चेन्नितला के नाम हैं। कांग्रेस के अधिकांश विधायक वेणुगोपाल के पक्ष में बताए जा रहे हैं, जबकि कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। चेन्नितला भी दावेदार हैं। इससे पहले केरल में पार्टी के पर्यवेक्षक बनाकर भेजे गए अजय माकन और मुकुल वासनिक ने शुक्रवार को खरगे को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी राय जानी थी। कांग्रेस विधानमंडल दल ने पहले ही प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री के चयन के लिए पार्टी अध्यक्ष को अधिकृत किया है। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने 140 सीटों में से 102 सीटें जीती हैं, जिनमें से 63 सीटें कांग्रेस के खाते में गईं।

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती: देश ने दी गुरुदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। बंगाली कैलेंडर के अनुसार पोचिशे बोइशाख के पावन अवसर पर देशभर में महान कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व ने गुरुदेव के योगदान को याद करते हुए उन्हें भारतीय सभ्यता की अमर आवाज बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि टैगोर ने भारतीय समाज को नई सोच, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास प्रदान किया। उन्होंने टैगोर को एक असाधारण लेखक, चिंतक और शिक्षाविद बताते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में मानवता की गहरी संवेदनाएं और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ आदर्श समाहित हैं।

प्रधानमंत्री के अनुसार, गुरुदेव के विचार आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के मन को आलोकित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुरुदेव को नमन करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि टैगोर ने अपनी लेखनी, संगीत और दर्शन के माध्यम से पराधीन भारत में स्वतंत्रता की चेतना को नई शक्ति दी।

साल में केवल 30 बार प्रवेश की अनुमति और डिजिटल निगरानी शुरू

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल सीमा पर भारतीय वाहनों के लिए नए नियम

भारत-नेपाल सीमा पर आवाजाही करने वाले निजी और पर्यटक वाहनों के लिए अब नियम बेहद सख्त हो गए हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सीमा प्रबंधन को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसका सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों और पर्यटकों पर पड़ने वाला है। नई व्यवस्था के अनुसार, अब भारतीय निजी वाहन और पर्यटक गाड़ियां एक साल में केवल 30 बार ही भंसार (सीमा शुल्क) जमा कर नेपाल की सीमा में प्रवेश कर सकेंगी। यदि कोई वाहन 30 बार की निर्धारित सीमा से अधिक बार प्रवेश करता है, तो उसे न केवल भंसार देना होगा, बल्कि भारी जुर्माना भी भुगतना पड़ेगा। इस नई प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए नेपाल सरकार ने अब भंसार की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल कर दिया है। सीमा चौकियों पर अब क्यूआर कोड के जरिए भंसार शुल्क जमा किया जा रहा है। इस डिजिटल व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य वाहनों का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखना है, जिससे यह आसानी से पता चल सके कि कौन सा वाहन कितनी बार सीमा पार कर चुका है। पहले यह रिकॉर्ड मैनुअल होता था, जिससे निगरानी में कठिनाई आती थी, लेकिन अब ऑनलाइन डाटा उपलब्ध होने से 30 बार की सीमा पार करने वाली गाड़ियों की पहचान तुरंत हो जाएगी। सिर्फ प्रवेश की संख्या ही नहीं, बल्कि रुकने की अवधि पर भी पाबंदी लगाई गई है। भारतीय वाहन एक साल में कुल मिलाकर अधिकतम 30 दिन ही नेपाल में रुक सकते हैं। यदि कोई वाहन निर्धारित अवधि से अधिक रुकता है, तो दोपहिया वाहनों पर दो हजार और चार पहिया वाहनों पर 2500 नेपाली रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा। फिलहाल, मालवाहक वाहनों को इस नियम से छूट दी गई है। नेपाल सरकार ने स्पष्ट किया है कि संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने, टैक्स चोरी रोकने और सुरक्षा संबंधी खतरों को कम करने के लिए यह सख्ती अनिवार्य है। बिना अनुमति या भंसार के नेपाल की सड़कों पर वाहन चलाना अब गैर-कानूनी माना जाएगा और पकड़े जाने पर वाहन जब्त भी किए जा सकते हैं। वर्तमान में दोपहिया वाहनों के लिए 100, तीन पहिया के लिए 400 और चार पहिया वाहनों के लिए 600 नेपाली रुपये प्रतिदिन का शुल्क तय है। इस नई व्यवस्था ने सिद्धार्थनगर और महराजगंज जैसे सीमावर्ती जिलों के उन लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिनका व्यापार या रिश्तेदारी के कारण नेपाल में रोज आना-जाना होता है।

प्रधानमंत्री का 10 मई को कर्नाटक-तेलंगाना दौरा, 9,400 करोड़ की विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 मई को कर्नाटक और तेलंगाना के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेंगे तथा हैदराबाद में लगभग 9,400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा दक्षिण भारत में औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को नई गति देने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, उनमें हैदराबाद–पणजी आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 का चार लेन विस्तार शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने से तेलंगाना और पड़ोसी राज्यों के बीच सड़क संपर्क मजबूत होगा तथा व्यापार और परिवहन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा संगारेड्डी जिले में विकसित किए जा रहे ज़हीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का शिलान्यास भी प्रधानमंत्री करेंगे। लगभग 3,245 एकड़ क्षेत्र में फैली इस परियोजना पर 2,350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है।

जयशंकर ने लैपटॉप के साथ साझा किया भविष्य का रोडमैप

पोर्ट ऑफ स्पैन। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने आधिकारिक दौरे के अंतिम पड़ाव के दौरान त्रिनिदाद और टोबैगो में उच्च-स्तरीय बैठकों के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जमैका और सूरीनाम की सफल यात्रा के बाद पहुंचे जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो में निवेश, तकनीक और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया। शनिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचने पर विदेश मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात कर द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले वर्ष के वादे को पूरा करते हुए एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां स्कूली बच्चों को 'मेड इन इंडिया' लैपटॉप वितरित किए गए। उन्होंने इस पहल को सीखने, जागरूकता और अवसर का संदेश बताया, जो दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को दर्शाता है।

बैंक धोखाधड़ी: मुंबई में अनिल अंबानी समूह के 17 ठिकानों पर सीबीआई का छापा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों में शनिवार को मुंबई में 17 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज मामलों में की गई। सीबीआई के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम को हजारों करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामलों की जांच जारी है। यह छापेमारी 08 मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने निदेशकों के आवासीय

परिसरों के अलावा उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी तलाशी ली, जिनके खातों का कथित तौर पर बैंक धनराशि के डायवर्जन और लेन-देन के लिए उपयोग किया गया था। एजेंसी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे लेन-देन के नेटवर्क और धनराशि के उपयोग को लेकर संदेह और गहरा हुआ है। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। सीबीआई ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के खिलाफ सात मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में कथित बैंक धोखाधड़ी, वित्तीय अनियमितताओं और धनराशि के दुरुपयोग की जांच की जा रही है। इन मामलों में कुल कथित नुकसान 27,337 करोड़ रुपये का बताया गया है। सीबीआई ने बताया कि इससे पहले मामलों के पंजीकरण के तुरंत बाद मुंबई समेत विभिन्न स्थानों पर 14 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया गया था। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो वरिष्ठ अधिकारियों डी विश्वनाथ और अनिल कालिया को 20 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

वरदान, सत्ता और लोकतंत्र : पौराणिक इतिहास इस कलयुग में?

भारतीय पौराणिक कथाओं में भस्मासुर की कथा केवल शक्ति के मद की कथा है, जिसमें व्यक्ति विवेक को खो देता है। सत्ता, अहंकार और विवेक के संतुलन का गहरा संदेश भस्मासुर की कथा है। कथा के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या से प्रसन्न होकर भस्मासुर को वरदान दिया। वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। वरदान से शक्ति प्राप्त करते ही भस्मासुर वरदान की शक्ति के मद में इतना अंधा हो गया, उसने अपने ही आराध्य देव शिव पर ही हाथ रखने का प्रयास किया। अंततः भगवान शिव को अपने ही दिये गए वरदान के कारण भागना पड़ा। उन्हें बचाने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर भस्मासुर को स्वयं के विनाश की ओर प्रेरित किया। यह कथा आज के लोकतांत्रिक भारत के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी है। जहां जनता अपने आपको ढगा महसूस कर रही है।

लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति का स्रोत है। जनता अपने मत के माध्यम से किसी सरकार को सत्ता का "वरदान" देती है। 2014 के बाद भारत में स्थापित वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, जनता की व्यापक आशाओं, बदलाव की इच्छा और विकास के वादों के आधार पर जनता के वरदान से सत्ता में आई। प्रारंभिक वर्षों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती, मजबूत नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के दावों ने लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास पैदा किया। समय बीतने के साथ समाज के एक बड़े वर्ग में यह भावना विकसित हुई है। सत्ता पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जनता के बीच में सरकार की दूरी बढ़ती जा रही है।

आज देश में बढ़ती महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है। बेरोजगारी युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें महंगी होती जा रही हैं, आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जबकि दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को मिलने वाली सुविधाएं बढ़ती चली जा रही है। यह धारणा मजबूत हुई है कि आर्थिक नीतियों का लाभ समाज के ऊपरी वर्ग तक अधिक सीमित हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग 2 वक्त के भोजन के लिये संघर्षरत है। गरीबों पर टेक्स बढ़ता जा रहा है। अमीरों के टेक्स घटाये जा रहे हैं। गरीबों के लिये अलग नियम और कानून है। अमीरों के लिये अलग कानून है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत समानता और समान न्याय का सिद्धांत है। जब समाज में यह भावना जन्म लेने लगे, गरीबों और अमीरों के लिए कानून और न्याय की व्यवस्था अलग-अलग तरीके से काम कर रही है, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। सत्ता यदि गरीबों की नहीं सुनती है, बल्कि जनता को भार समझने लगे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठने लगे। आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करने लगे, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है।

वर्तमान स्थिति में भस्मासुर की कथा एक ज्ञान के रूप में सामने आती है। जनता द्वारा दी गई शक्ति से बनी सरकार यदि जनता के हितों से दूर जाकर, निजी स्वार्थ और सत्ता संरक्षण, प्रचार और चुनिंदा लोगों के हित में केंद्रित हो जाए, तो वही शक्ति अंततः विश्वास को कमजोर कर सकती है, जो अंत का कारण बनता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में ही होता है। चुनाव, जनमत और लोकतांत्रिक संस्थाएं वही "मोहिनी" हैं, जो सत्ता में बैठे लोगों में अहंकार और असीमित सत्ता के मद में झोंककर भस्मासुर की तरह उनका अंत करने का कारण बनती है। भारत का लोकतंत्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से मजबूत होता है। आवश्यक है, जनता सरकार से प्रश्न पूछे, सरकार को उसके कर्तव्य के प्रति जवाबदेह बनाये। सत्ता में बैठे लोग यह याद रखें कि लोकतंत्र में जनता द्वारा दिया गया हर "वरदान" स्थायी नहीं होता।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह मनाएगा ग्रामीण विकास मंत्रालय

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय रविवार को मध्य प्रदेश के सीहोर में रजत जयंती समारोह मनाएगा। इसी मंच से पीएमजीएसवाई-IV का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे।ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह पीएमजीएसवाई -IV के तहत मध्यप्रदेश के लिए 2,117 किलोमीटर लंबाई की 973 सड़कों तथा 987 बसावटों को लाभ पहुंचाने वाले स्वीकृति पत्र और वित्तीय आवंटन मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंपेंगे। वहीं, पीएम जनमन के तहत 384 किलोमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं का आवंटन भी किया जाएगा, जिससे 168 पिछड़ी बसावटों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को लेकर वर्ष 2026-27 के लिए कुल 18,907 करोड़ रुपये के सांकेतिक आवंटन की घोषणा करेंगे। जिसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। यह आवंटन ग्रामीण संपर्क, आर्थिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि विपणन की पहुंच को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस समारोह में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान, राज्य के ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा राज्य के अन्य जनप्रतिनिधि और केंद्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुवेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शेख हसीना ने शनिवार को बांग्लादेश अवामी लीग के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत और मुख्यमंत्री पद संभालने पर वह सुवेंदु अधिकारी को अपनी ओर से तथा बांग्लादेश की जनता की ओर से हार्दिक बधाई देती हैं।हसीना ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता का जनादेश सुवेंदु अधिकारी के सशक्त और जनोन्मुखी नेतृत्व में उनके गहरे विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल भारत और बांग्लादेश की मित्रता के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है तथा दोनों पक्ष भाषा, संस्कृति और विरासत के साझा संबंधों से जुड़े हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। पड़ोसी होने के नाते बांग्लादेश हमेशा पश्चिम बंगाल की समृद्धि और शांति की कामना करता रहा है। आशा है कि सुवेंदु अधिकारी के कार्यकाल के दौरान हमारे बीच आपसी सहयोग की सुदीर्घ परंपरा और भी अधिक सुदृढ़ होगी। हम दोनों जनता के साझा विकास और कल्याण के लिए मिलकर कार्य करना जारी रखेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना ने सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल कार्यकाल की भी कामना की।

एपीडा ने 20 मीट्रिक टन शहद की पहली खेप अमेरिका को किया निर्यात

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शनिवार को असम के बक्सा जिले से 20 मीट्रिक टन शहद की पहली खेप को अमेरिका निर्यात के लिए रवाना किया, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत के कृषि निर्यात में विविधता लाने और 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी एवं महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर असम के एक 'आकांक्षी जिले' बक्सा से ओडीओपी शहद की पहली खेप एपीडा की पहल के जरिए यूएसए के लिए रवाना की गई। मंत्रालय ने बताया कि 20 मीट्रिक टन शहद वाली इस पहली खेप का निर्यात पूर्वोत्तर क्षेत्र के एपीडा-पंजीकृत निर्यातक, मेसर्स सॉल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, असम के द्वारा किया गया। एपीडा का यह पहल भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से मिलने वाले उच्च गुणवत्ता वाले, ऑर्गेनिक शहद की बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाती है, जिससे स्थानीय किसानों की आय बढ़ती है और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में लिखा है, असम के बक्सा जिला से पहली बार ओडीओपी शहद का अमेरिका निर्यात, पूर्वोत्तर भारत की कृषि क्षमता और किसानों की मेहनत का वैश्विक प्रमाण है। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक जिला एक उत्पाद' विजन और एपेडाडॉक के प्रयासों से स्थानीय मधुमक्खी पालकों को बेहतर मूल्य, वैश्विक बाज़ार और आत्मनिर्भरता की नई उड़ान मिली है। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ निर्यात नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और 'लोकल के लिए वोकल' को वैश्विक पहचान दिलाने की ऐतिहासिक उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि असम में शहद उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिसका मुख्य कारण यहां की समृद्ध जैव विविधता, प्रचुर वन संसाधन और मधुमक्खी पालन की पुरानी परंपरा है।

उपराज्यपाल ने की आईजीआई हवाई अड्डे के संचालन और विस्तार योजनाओं की समीक्षा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे का दौरा करते हुए यहां के संचालन और विस्तार योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्थिरता, नवाचार और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, वाणिज्य, पर्यटन और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में राजधानी को मजबूत करने में दिल्ली के विश्व स्तरीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका पर प्रकाश डाला। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तकनीकी रूप से उन्नत विमानन क्षेत्र के दृष्टिकोण के अनुरूप दिल्ली हवाई अड्डे की परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि 'शून्य अपशिष्ट भूमि उपयोग' नीति और मजबूत जल संचयन संरचनाओं के कार्यान्वयन ने देश में सतत अवसंरचना के लिए एक सराहनीय मानक स्थापित किया है। उपराज्यपाल ने दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और एयरोसिटी पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वाणिज्य, पर्यटन और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में राजधानी की स्थिति और मजबूत होगी। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान यहां यात्रियों से बातचीत करके यात्रा के दौरान हवाई अड्डे के अनुभव पर उनके दृष्टिकोण और प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने विमान ध्वनि प्रदूषण को कम करके निवासियों के कल्याण के साथ तीव्र विकास को संतुलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे विमानन केंद्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वैश्विक व्यापार का केंद्र होने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार हो।

अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में भव्य समारोह

महामहिम राज्यपाल श्री वी. के. सिंह ने सैयद इसरार हुसैन को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ एवं Prime India Media House के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर Press Club of India में एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया प्रतिनिधियों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए सामाजिक कार्यकर्ता सैयद इसरार हुसैन को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वी. के. सिंह, माननीय राज्यपाल, मिजोरम के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद सैयद इसरार हुसैन ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाजहित के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकार समाज की आवाज बनकर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने पत्रकारों के सम्मान और मीडिया की सकारात्मक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पत्रकारिता जगत को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित यह समारोह पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

नोएडा में सीएक्यूएम को 28 जगहों पर मिली धूल और निर्माण कार्यों के कूड़े के ढेर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण को रोकने के लिए गठित वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने नोएडा में "ऑपरेशन क्लीन एयर" के तहत विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस कार्रवाई में नोएडा की सड़कों पर धूल प्रदूषण और निर्माण एवं विध्वंस कचरे के कई मामले सामने आए। सीएक्यूएम ने शनिवार को अपनी विज्ञप्ति में बताया कि आयोगकी 19 फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों ने नोएडा अथॉरिटी के तहत आने वाली 46 सड़कों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान 28 जगहों पर भारी सड़क धूल और सीएंड डी वेस्ट जमा मिला। यह लापरवाही और नियमों की अनदेखी नोएडा के सेक्टर 20, 21, 59, 62, 80, 82, 83, 84, 87, 88, 138, 140, 141 और 145 में पाई गई। आयोग ने बताया कि निरीक्षण में कई जगह नियमित सफाई, पानी के छिड़काव और कचरे के वैज्ञानिक निपटान में कमी भी सामने आई। इसके बाद आयोग ने नोएडा अथॉरिटी को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा कि मशीनों से नियमित सफाई, पानी का छिड़काव और सीएंडडी वेस्ट का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अवैध डंपिंग रोकने और निगरानी मजबूत करने के आदेश भी दिए गए हैं। आयोग ने साफ चेतावनी दी है कि धूल नियंत्रण उपायों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग के मुताबिक, सड़क की धूल शहरी प्रदूषण का बड़ा कारण बनी हुई है। इसी वजह से "ऑपरेशन क्लीन एयर" अभियान आगे भी पूरे दिल्ली-एनसीआर में जारी रहेगा।

गैंगस्टर अभय राणा पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। हरियाणा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित गैंगस्टर अभय उर्फ अभय राणा को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर शनिवार को भारत लाया गया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुसार अभय उर्फ अभय राणा हरियाणा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ जबरन वसूली, आपराधिक धमकी, संगठित अपराध गिरोह संचालित करने, हत्या के प्रयास और जान से मारने की धमकी जैसे आरोपों में मामले दर्ज हैं। जांच एजेंसी ने बताया कि करनाल जिले में दर्ज एक मामले की जांच में सामने आया था कि आरोपित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर व्हाट्सएप कॉल सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से स्थानीय कारोबारियों को फिरौती देने के लिए धमकाता था। मांग पूरी नहीं करने वालों पर गिरोह के सदस्यों द्वारा हमला किया जाता था। मामले की जांच पूरी होने के बाद आरोपित के खिलाफ सक्षम अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। सीबीआई ने बताया कि हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो ने इंटरपोल माध्यमों से अभय के खिलाफ रेडकार्नर नोटिस जारी कराया था। बाद में उसका पता लगने और पुर्तगाली अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी के बाद भारत की ओर से प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया। सीबीआई के अनुसार कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुर्तगाल के अधिकारियों ने आरोपित के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी। इसके बाद हरियाणा पुलिस की एक टीम पुर्तगाल गई, जहां आरोपित को टीम के हवाले किया गया। हरियाणा पुलिस की टीम आरोपित को लेकर शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। सीबीआई ने बताया कि इंटरपोल माध्यमों से समन्वय कर पिछले कुछ वर्षों में 160 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है।

सोनार बांग्ला के सपने को साकार करेगी शुभेंदु सरकार : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को पश्चिम बंगाल में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। रेखा गुप्ता ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया और बंगाल की जनता को नमन करते हुए कहा कि शुभेंदु सरकार सोनार बांग्ला के सपने को साकार करेगी। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल की जनता ने अत्याचार, दमन और भ्रष्टाचार का दौर देखा, लेकिन अब जनता ने सोनार बांग्ला के सपने को साकार करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव का फैसला किया है। आज का दिन बंगाल के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है, जहां विकास और विश्वास के साथ राज्य आगे बढ़ेगा और पूरे देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान जिस तरह भ्रष्टाचार और अत्याचार की घटनाएं सामने आती थीं, अब उस दौर का अंत हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार के नेतृत्व में बंगाल में सुशासन, विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता मिलेगी। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार ने एक सकारात्मक संदेश दिया है कि अब बंगाल का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने शुभेंदु अधिकारी और बंगाल की जनता को दिल्ली की ओर से हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक आंकड़ों की जीत नहीं है, बल्कि उन 321 भाजपा कार्यकर्ताओं के बलिदान की भी जीत है, जिन्होंने बंगाल के बेहतर भविष्य और सोनार बांग्ला के सपने के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। इन कार्यकर्ताओं ने अपना बलिदान केवल भाजपा के लिए नहीं, बल्कि बंगाल की आने वाली पीढ़ियों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में महिलाओं, युवाओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर जिस तरह अत्याचार हुए, उसने लोकतंत्र को शर्मसार किया। जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब दिया है और अब बदलाव की नई सुबह शुरू हुई है।

मुंबई के अंधेरी रेलवे स्टेशन पर नवीनीकृत उपडाकघर का उद्घाटन, 'जन सेवा कनेक्ट' योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से लैस हुआ केंद्र

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई के अंधेरी रेलवे स्टेशन स्थित नवीनीकृत उपडाकघर का उद्घाटन किया। 'जन सेवा कनेक्ट' योजना के तहत विकसित यह डाकघर अब भविष्य-उन्मुख सेवा केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जहां आधुनिक तकनीक और नागरिक-केंद्रित सुविधाओं का समावेश किया गया है। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 1932-33 में स्थापित अंधेरी आरएस पोस्ट ऑफिस को आधुनिक स्वरूप देने का कार्य योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर) के सहयोग से किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य पारंपरिक डाकघरों को आधुनिक सेवा केंद्रों में बदलना है, ताकि नागरिकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह डाकघर देशभर के 17 राज्यों में 40 डाकघरों पर लागू किए जा रहे 'प्रयोगात्मक मॉडल' कार्यक्रम के अंतर्गत चुना गया है। महाराष्ट्र का यह पहला और देश का दूसरा डाकघर है, जिसे इस विशेष परियोजना के तहत विकसित कर उद्घाटित किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस मॉडल को भविष्य में देश के अन्य प्रमुख डाकघरों में भी लागू किया जा सकता है।उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आधुनिक, नागरिक-केंद्रित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक सेवाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि डाक सेवाओं को तकनीक, दक्षता और पारदर्शिता के माध्यम से नए युग के अनुरूप मजबूत बनाया जा रहा है। सिंधिया ने यह भी कहा कि इंडिया पोस्ट अब केवल पत्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में भी उभर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इंडिया पोस्ट देश के अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने और लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने इस पहल को महाराष्ट्र में डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा और सकारात्मक कदम बताया।नवीनीकरण के बाद अंधेरी उपडाकघर में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, डिजिटल सेवा सुविधाएं, आधुनिक ग्राहक सहायता प्रणाली और तेज सेवा वितरण व्यवस्था विकसित की गई है। इसके साथ ही डाकघर को नई पहचान और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है, ताकि यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर अनुभव मिल सके। समारोह के दौरान एक विशेष कवर भी जारी किया गया, जिसे इस परियोजना की स्मृति और महत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र और गोवा सर्कल के मुख्य डाकघर महानिरीक्षक अमिताभ सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में स्थानीय विधायक हारून खान, रूपेश सावर्कर और आचार्य पवन त्रिपाठी ने भी भाग लिया।

केजरीवाल ने ईडी की कार्रवाई पर उठाया सवाल, सरकार पर साधा निशाना

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की आलोचना करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बंगाल चुनाव ख़त्म हुए ही केंद्र सरकार ने पंजाब में रोज ईडी की छापेमारी करना शुरू कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि शनिवार सुबह से पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी की छापेमारी चल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी का काम भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के लिए होता, लेकिन अन्य पार्टियों को तोड़ने और अन्य राजनीतिक नेताओं को धमकाने का काम करती हैं। ईडी पर छापेमारी उसी दिशा में एक कार्रवाई है। केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिन पहले भी संजीव अरोड़ा के यहां छापेमारी हुई थी। आज उनके यहां फिर से छापेमारी करवाई गई।केजरीवाल ने आरोप है कि पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने कई मामलों में पंजाब के साथ ठीक व्यवहार नहीं किया। उन्होंने कहा कि पानी, ग्रामीण विकास का पैसा रोक लिया और अब ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी और सरकारी संस्थानों के मुद्दों पर भी पंजाब पर दबाव बनाया गया। उनके अनुसार अब जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

परमाणु ऊर्जा नवाचार शिखर सम्मेलन के लिए भारत को आमंत्रण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश रवांडा के राष्ट्रपति की तरफ से जैकलीन मुकांगिरा ने शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह से मुलाकात कर उन्हें 'अफ्रीका के लिए परमाणु ऊर्जा नवाचार शिखर सम्मेलन (एऩईआईएसए 2026)' में शामिल होने का निमंत्रण सौंपा। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 21 मई तक किगाली में आयोजित होगा। यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग फॉर अफ्रीका (यूनेका), विश्व परमाणु संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें परमाणु ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मैन्युफैक्चरिंग और भविष्य की ऊर्जा साझेदारियों पर चर्चा होगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने रवांडा दौरे पर असमर्थता जताई, लेकिन वर्चुअली सम्मेलन में शामिल होकर संबोधित करने पर सहमति दी। बैठक के दौरान भारत और रवांडा के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा, डिजिटल क्षमता निर्माण और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर भी बातचीत हुई। डॉ. सिंह ने कहा कि भारत परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष तकनीक, बायोटेक्नोलॉजी और एआई जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत उभरती और परिवर्तनकारी तकनीकों में वैश्विक सहयोग को अहम मानता है और ग्लोबल साउथ देशों के साथ विज्ञान, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।रवांडा प्रतिनिधिमंडल ने भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं में गहरी रुचि दिखाई और भारतीय संस्थानों के साथ साझेदारी बढ़ाने की इच्छा जताई। दोनों देशों के बीच रिसर्च, शिक्षा, इनोवेशन और क्षमता निर्माण को लेकर भी चर्चा हुई।

"स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर" के लिए 11 हजार किमी समुद्री तट पर चलेगा बड़ा सफाई अभियान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने शनिवार को "स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर" 2026 अभियान और आगामी इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में तय किया गया कि "स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर" 2026 अभियान 12 से 19 सितंबर तक पूरे देश में चलाया जाएगा और इसका समापन अंतरराष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस के मौके पर होगा। यह अभियान भारत के 11,098 किलोमीटर लंबे समुद्री तट को कवर करेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जानकारी दी कि इस अभियान में केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्रालयों के साथ-साथ वैज्ञानिक संस्थान, जिला प्रशासन, भारतीय तटरक्षक बल, एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवी संगठन और स्थानीय समुदाय मिलकर भाग लेंगे। सरकार ने इसे एक "जन-आंदोलन" के रूप में आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। बैठक में बताया गया कि इस अभियान के जरिए समुद्री कचरे की सफाई, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए वैज्ञानिक निगरानी के साथ-साथ जनभागीदारी भी बढ़ाई जाएगी। पिछले वर्षों की प्रगति की समीक्षा में बताया गया कि 2025 अभियान के दौरान 150 टन से अधिक समुद्री कचरे का दस्तावेजीकरण किया गया था। नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए "सागर ऐप" जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों में कचरे की निगरानी और रिपोर्टिंग आसान हुई है। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण अब राष्ट्रीय प्राथमिकता का हिस्सा हैं। बैठक में एनसीसी, एनएसएस, शैक्षणिक संस्थानों और युवा संगठनों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि अभियान को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाया जा सके।इसके साथ ही "इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल" की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जो इस वर्ष दिसंबर के तीसरे सप्ताह में पुणे में आयोजित होगा। इस फेस्टिवल में वैज्ञानिक संस्थान, स्टार्टअप्स, शोधकर्ता, छात्र और नवाचार से जुड़े युवा शामिल होंगे। उद्देश्य विज्ञान और तकनीक को आम जनता से जोड़ना और इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जी की 486वी जयंती, सौपे नियुक्ति पत्र

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शनिवार को नगर में वीर हिंदू हृदय सम्राट, मुगलों के खिलाफ संघर्ष करने वाले महान महाराणा प्रताप जी की 486वी जयंती बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड्गवंशी के हसनपुर रहरा रोड स्थित कैंप कार्यालय पर बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई, इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं संग महाराणा प्रताप जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जी एक वीर शासक थे, जिन्होंने संघर्ष के दौरान घास की रोटी भी खाई लेकिन मुगलों के आगे नहीं झुके, वहीं जिला अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर खुशी व्यक्त की साथ ही बीजेपी जन कल्याण मंच के संगठन का विस्तार करते हुए कलुवा सिंह को जिला संगठन मंत्री अमरोहा, पवन नेता जी को विधानसभा प्रचारक हसनपुर, कोशिन्दर सिंह को विधानसभा सचिव हसनपुर, संजय सिंह को सोशल मीडिया प्रभारी ब्लॉक हसनपुर, अनुज कुमार वर्मा को ब्लॉक सचिव गंगेश्वरी, वीर सिंह को तहसील उपाध्यक्ष हसनपुर, महेंद्र सिंह को तहसील मंत्री हसनपुर, सोविंदर कुमार को विधानसभा प्रचारक हसनपुर, भागेंद्र को ब्लॉक उपाध्यक्ष गंगेश्वरी, सचिन कुमार को विधानसभा अध्यक्ष sc मोर्चा हसनपुर, टिंकू सिंह को विधानसभा सचिव हसनपुर तथा चंद्रदेव सिंह चौहान को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, इस अवसर पर बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा महिला मोर्चा की महिलाएं तथा भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे l वहीं उन्होंने अमरोहा जिले के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से रहरा थाना क्षेत्र तथा आदमपुर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से दुकान दुकान बिक रही शराब को लेकर सख्त कार्रवाई करने का भी आग्रह किया l

नवनिर्वाचित अमरोहा बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ संपन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहाः शनिवार को अमरोहा नगर के एक बैंकट हॉल में बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया, शपथ ग्रहण समारोह में नव निर्वाचित अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा एडवोकेट व महासचिव अरशद हुसैन भारती एडवोकेट सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी नें मुख्य अतिथि प्रशासनिक न्यायमूर्ति मा0 अवनीश सक्सैना जी उच्च न्यायालय प्रयागराज व माननीय जिला जज विवेक जी सहित न्यायिक अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति में शपथ ग्रहण की, कार्यक्रम में कचहरी के वरिष्ठ व युवा अधिवक्तागण के अलावा हसनपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नन्दराम सिंह भी उपस्थित रहे, कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष सलीम खान नें अपने कार्यकाल का विवरण प्रस्तुत करते हुए बार की आय व व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, अधिवक्ताओं ने नव निर्वाचित अध्यक्ष व सचिव तथा कार्यकारिणी से अधिवक्ता हित में कार्य करने की अपेक्षा की है वही नव निर्वाचित अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया है कि अपने कार्यकाल में अधिवक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बार एवं बैंच का आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य किये जायेंगे, अधिवक्ताओं का शोषण नही होने दिया जायेगा। जूनियर अधिवक्ताओं के हितों को भी ध्यान में रखकर कार्य किये जायेंगे, इस मौके पर भारी संख्या में अधिवक्ता गढ़ एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे l

पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव संपन्न

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा / मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ, मुरादाबाद शाखा के तत्वावधान में शनिवार को मुंडापांडे ब्लॉक सभागार में ब्लॉक कार्यकारिणी का चुनाव अधिवेशन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस चुनाव की खास बात यह रही कि पाँचों मुख्य पदों पर उम्मीदवारों का चयन निर्विरोध किया गया।

निर्वाचित पदाधिकारी::- चुनाव अधिकारी सुरेंद्र मसीह ने निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपे। नई कार्यकारिणी में निम्नलिखित सदस्यों को चुना गया है। ब्लॉक अध्यक्षः अरविंद कुमार, ब्लॉक महामंत्रीः मुन्ना सिंह, ब्लॉक कोषाध्यक्षः बृजेश कुमार, ब्लॉक संगठन मंत्रीः सिम्मी किरण, ब्लॉक संयोजक/संप्रेक्षकः विनीता कुमारी। शांतिपूर्ण संपन्न हुआ चुनावः- नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद कुमार ने संघ और सफाई कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सभी साथियों का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। चुनाव अधिकारी ने बताया कि निर्धारित समय तक पाँचों पदों के लिए केवल एक-एक ही नामांकन प्राप्त हुआ, जिसके कारण चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कमेटी संघ के निर्देशों का पालन करते हुए कर्मचारी हित में बेहतर कार्य करेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेंद्र सिंह, अखिलेश कुमार, मुन्नू सिंह, सोमवीर सिंह, रामकिशोर, संजीव कुमार, ध्यान सिंह, आशा देवी और किरण सहित भारी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

नजीबाबाद विधानसभा 2027 : बदलते समीकरण, नए चेहरे और सबसे महंगी होती

राजनीति की बड़ी कहानी

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद : नजीबाबाद की राजनीति हमेशा से दिलचस्प रही है। यहां चुनाव सिर्फ वोटों का खेल नहीं होता, बल्कि जातीय समीकरण, स्थानीय मुद्दे, पुराने रिश्ते, युवा ताकत, संगठन की पकड़ और उम्मीदवार की छवि मिलकर पूरा माहौल तय करते हैं। जैसे-जैसे 2027 विधानसभा चुनाव करीब आ रहा है, वैसे-वैसे नजीबाबाद का सियासी पारा भी चढ़ता दिखाई दे रहा है। गलियों से लेकर चौपालों तक, चाय की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह एक ही चर्चा है — "इस बार मुकाबला किसके बीच होगा?" इस बार का चुनाव इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि कई नए चेहरे मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। कुछ पुराने नेताओं की पकड़ कमजोर पड़ती दिख रही है, तो कुछ युवा चेहरे तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। राजनीतिक दलों के भीतर भी टिकट को लेकर खींचतान शुरू हो चुकी है। कई नेता जनता के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा चुके हैं। कोई जनसभाएं कर रहा है, कोई समाज के कार्यक्रमों में पहुंच रहा है, तो कोई सोशल मीडिया के जरिए माहौल बनाने में जुटा है। नजीबाबाद की राजनीति में इस बार सबसे बड़ा मुद्दा विकास बन सकता है। सड़क, बिजली, पानी, रोजगार, व्यापार और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर जनता खुलकर बात कर रही है। खासकर युवा वर्ग अब सिर्फ जातीय राजनीति से आगे बढ़कर काम करने वाले चेहरे को देखने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर पुराने राजनीतिक समीकरण अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। गांवों में बिरादरी और स्थानीय प्रभाव अब भी चुनाव का बड़ा फैक्टर बने हुए हैं। अगर मुस्लिम वोटों की बात करें तो नजीबाबाद में हमेशा से यह वोट निर्णायक भूमिका में रहा है। लेकिन इस बार मुस्लिम वोटों का बंटवारा चुनाव को और दिलचस्प बना सकता है। अलग-अलग दलों के कई चेहरे खुद को मजबूत दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार मुकाबला त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय भी हो सकता है। दलित और पिछड़ा वर्ग भी इस चुनाव में अहम भूमिका निभाएगा। पिछले कुछ वर्षों में इन वर्गों के बीच नई राजनीतिक सोच देखने को मिली है। कई संगठन और क्षेत्रीय नेता लगातार गांव-गांव जाकर अपनी पकड़ मजबूत करने में लगे हैं। ऐसे में हर पार्टी इन वर्गों को साधने की कोशिश करेगी। भारतीय जनता पार्टी इस सीट पर संगठन और सरकार के काम के दम पर मैदान में उतर सकती है। वहीं समाजवादी पार्टी अपने पारंपरिक वोट बैंक और स्थानीय नेटवर्क के भरोसे मजबूत चुनौती देने की तैयारी में है। बहुजन समाज पार्टी भी अपने पुराने समीकरणों को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर सकती है। इसके अलावा आजाद समाज पार्टी और अन्य छोटे दल भी इस बार समीकरण बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस बार सोशल मीडिया भी चुनाव में बड़ा रोल निभाने वाला है। फेसबुक लाइव, यूट्यूब चैनल, इंस्टाग्राम रील्स और व्हाट्सएप ग्रुप अब चुनावी रणनीति का हिस्सा बन चुके हैं। नेता अब सिर्फ मंचों पर नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर भी जनता तक पहुंच रहे हैं। छोटे-छोटे वीडियो, बयान, आरोप-प्रत्यारोप और वायरल क्लिप चुनावी माहौल को लगातार गर्म बनाए रखेंगे। नजीबाबाद की जनता भी अब पहले जैसी नहीं रही। लोग सवाल पूछ रहे हैं। जनता अब सिर्फ वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि पिछले पांच साल का हिसाब भी मांगती है। यही वजह है कि इस बार हर उम्मीदवार को जनता के बीच ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। सिर्फ बड़े पोस्टर और भीड़ जुटाने से काम नहीं चलेगा। गांवों में किसान अपनी समस्याओं को लेकर नाराज दिखाई देते हैं, तो शहर में व्यापारी टैक्स और बाजार व्यवस्था को लेकर चर्चा कर रहे हैं। बेरोजगारी भी युवाओं के बीच बड़ा मुद्दा बन चुकी है। ऐसे में जो नेता इन मुद्दों पर मजबूत रणनीति के साथ जनता के बीच जाएगा, वही बढ़त बना सकता है। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि कुछ बड़े चेहरे पार्टी बदल सकते हैं। टिकट कटने की आशंका वाले कई नेता दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो चुनाव और ज्यादा रोमांचक हो जाएगा। बगावत और निर्दलीय उम्मीदवार भी कई समीकरण बिगाड़ सकते हैं। 2027 का नजीबाबाद विधानसभा चुनाव सिर्फ एक सीट का चुनाव नहीं होगा, बल्कि यह आने वाले समय की राजनीति की दिशा भी तय करेगा। यह चुनाव बताएगा कि जनता पुराने चेहरों पर भरोसा करती है या बदलाव चाहती है। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि जमीन पर काम करने वाला नेता मजबूत है या सिर्फ सोशल मीडिया की राजनीति करने वाला। फिलहाल नजीबाबाद में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। हर दल अपनी चाल चलने की तैयारी में है। जनता इंतजार कर रही है उम्मीदवारों के नाम का, और नेता इंतजार कर रहे हैं सही समय का। लेकिन इतना तय है कि इस बार नजीबाबाद का चुनाव बेहद दिलचस्प, महंगा और हाईप्रोफाइल होने वाला है। क्योंकि इस बार मुकाबला सिर्फ सीट जीतने का नहीं, बल्कि राजनीतिक वर्चस्व साबित करने का भी होगा।

योगी जी ईज ग्रेट- खिलाड़ियों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी में शनिवार को द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन-टेबल टेनिस) प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास यूपी बैडमिंटन एकेडमी में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों के साथ हाथ आजमाया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया। कर्नाटक पुलिस के काली कृष्णा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चीफ मिनिस्टर अच्छे हैं। यूपी एक अच्छा प्रदेश है।

प्रतियोगिता में 1400 खिलाड़ी लेंगे भाग- दरअसल उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैंडमिंटन एवं टेबल टेनिस) 2025-26 प्रतियोगिता 9 से 13 मई तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में यूपी पुलिस, गुजरात पुलिस, कर्नाटक पुलिस, उड़ीसा पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस समेत कई राज्यों की टीमें शामिल हुई हैं। आयोजन में करीब 1400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में बैडमिंटन और टेबल टेनिस दोनों खेलों की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

सीएम योगी ने स्मारिका का विमोचन किया- इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतियोगिता की स्मारिका का विमोचन भी किया। वहीं खिलाड़ियों को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी कपिल चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इसके अलावा 35वीं वाहिनी पीएसी के बैंड द्वारा मधुर स्वर लहरियां प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

सिरसी कस्बे में पुलिस का सघन फ्लैग मार्च संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की हुई व्यापक चेकिंग

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी क्षेत्र के सिरसी में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन में थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के कस्बा सिरसी में विशेष फुट पेट्रोलिंग एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी हजरतनगर गढ़ी संजय सिंह तथा चौकी प्रभारी सिरसी मोहम्मद शाह फैसल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बे के मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग करते हुए लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। फुट पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों, दुकानदारों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही लोगों से कहा गया कि यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि अथवा असामाजिक तत्व दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस टीम ने बाजारों में घूमकर दुकानों के आसपास खड़े संदिग्ध वाहनों की जांच की तथा बिना वजह घूम रहे लोगों से पूछताछ भी की। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय पैदा करना तथा आम जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना रहा। पुलिस की सक्रिय कार्यशैली को देखकर स्थानीय लोगों ने संतोष व्यक्त किया और पुलिस प्रशासन की सराहना की। थाना प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल रुचिन कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

थाना हजरतनगरगढ़ी में आयोजित हुआ समाधान दिवस, फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुन अधिकारियों ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

लोक तंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल : सम्भल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में शनिवार को थाना हजरतनगरगढ़ी परिसर में "समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं अपर जिलाधिकारी सम्भल द्वारा संयुक्त रूप से की गई। समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जहां अधिकारियों ने एक-एक कर सभी की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान थाना प्रभारी संजय सिंह पुलिस बल एवं राजस्व विभाग की टीम के साथ मौजूद रहे। समाधान दिवस में मुख्य रूप से भूमि विवाद, रास्ते के विवाद, आपसी कहासुनी, पारिवारिक विवाद तथा अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। अधिकारियों ने संबंधित विभागीय कर्मचारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक फरियादी को त्वरित न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। वहीं अपर जिलाधिकारी सम्भल ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि एवं सीमांकन से जुड़े मामलों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए तथा दोनों पक्षों को सुनकर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे अनावश्यक विवाद एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो। थाना प्रभारी संजय सिंह ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग लें तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का साथ दें। समाधान दिवस के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने कई मामलों में मौके पर ही दोनों पक्षों को बुलाकर समझौता कराने का प्रयास किया, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही तथा फरियादियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। क्षेत्रीय लोगों ने समाधान दिवस की व्यवस्था एवं अधिकारियों द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुनने की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी शिकायतों का जल्द समाधान होगा। थाना हजरतनगरगढ़ी में आयोजित समाधान दिवस एक बार फिर आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद एवं विश्वास कायम करने का माध्यम बना।

डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने रहरा थाने का किया औचक निरीक्षण, दिए जरूरी दिशा निर्देश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /रहराः शनिवार को जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ द्वारा रहरा पुलिस थाने का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल, अपराध रजिस्टर एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सभी पुलिस अधिकारियों की हाजिरी की जांच की गई। इसके अलावा कंप्यूटरीकृत जनरल डायरी एवं सीसीटीएनएस व्यवस्था का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। हिस्ट्री शीट तथा फ्लाइंग शीट की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने थाने में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही मादक पदार्थ संबंधी मुकदमों में यदि कोई नीलामी योग्य संपत्ति लंबित है, तो उसे तुरंत निस्तारित करने के निर्देश दिए। आगंतुकों/शिकायतकर्ताओं के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था तथा ठंडे पीने के पानी की सुविधा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बरेली : महाराणा प्रताप जयंती पर जुलूस को लेकर बरेली में विवाद...

लोक तंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश) बरेली के थाना सुभाषनगर क्षेत्र के ग्राम महेशपुर ठाकुरान में शनिवार को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई जब ठाकुर समाज द्वारा निकाले जा रहे जुलूस का अनुसूचित जाति समुदाय के कुछ लोगों ने विरोध कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गांव में माहौल गर्म हो गया। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए और स्थिति को संभाला। जानकारी के अनुसार ठाकुर समाज के लोग महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर गांव में पारंपरिक जुलूस निकालने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों ने जुलूस को लेकर आपत्ति जताई। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर उनकी रैली को गांव के रास्ते से नहीं निकलने दिया गया था, इसलिए अब वे भी महाराणा प्रताप जयंती के जुलूस का विरोध कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि जब वे गांव में पहुंचे तो कुछ लोगों द्वारा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया और गाली गलौज की गई। भीम आर्मी से जुड़ी महिलाएं और अन्य लोग भी बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग करने लगे। महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें धमकी दी गई और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। थाना पुलिस के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने दोनों पक्षों को बैठाकर बातचीत की। काफी देर चली वार्ता के बाद दोनों पक्षों को समझाया गया और आपसी सहमति से अलग-अलग तरीके से जुलूस निकालने पर सहमति बनी। इसके बाद गांव में माहौल धीरे-धीरे सामान्य हुआ। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायतें सुनी गई हैं और पूरे मामले की जांच की जा रही है। गांव में किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक गांव में पहले भी रैलियों और जुलूसों को लेकर विवाद की स्थिति बन चुकी है। फिलहाल प्रशासन शांति बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सौहार्द कायम रखने की कोशिश कर रहा है।

रायपुर तिराहे पर बड़ा हादसा टला, खुला धर्मकांटा बना खतरा

» धर्म कांटे वाले की लापरवाही से आ सकता था परिवार पर भारी संकट कौन होता जिम्मेदार

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

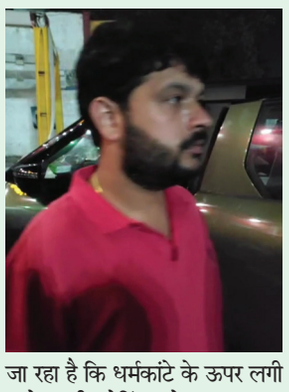

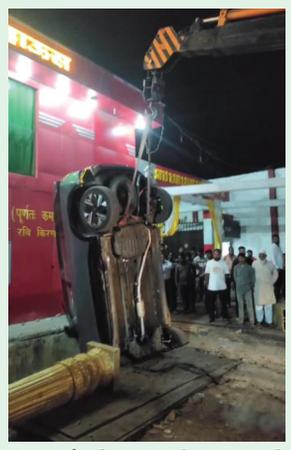

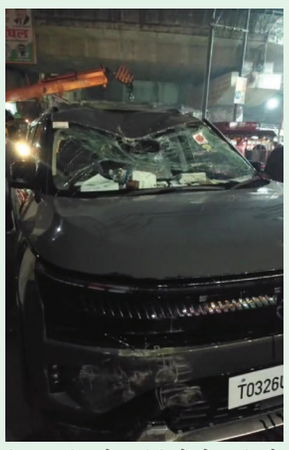

नजीबाबाद। रायपुर रोड तिराहे पर शनिवार शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कोटद्वार रोड स्थित राम लक्ष्मी फार्म हाउस के पास बने प्रकाश धर्मकांटा पर लोडिंग प्लेट न होने के कारण एक कार अचानक धर्मकांटे के गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि कार सवार इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटर रोहितराज सिंह और उनका परिवार बाल-बाल बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 मई की शाम रोहितराज सिंह किसी कार्य से रायपुर तिराहे स्थित एसबीआई एटीएम पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी कार प्रकाश धर्मकांटा के पास खड़ी करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि धर्मकांटे के ऊपर लगी रहने वाली लोडिंग प्लेट उस समय गायब थी, जिसके चलते कार सीधे खुले गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि कार के एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे किसी प्रकार की गंभीर जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने धर्मकांटा संचालकों की लापरवाही पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि रायपुर तिराहा शहर का बेहद व्यस्त इलाका है, जहां दिनभर भारी वाहनों सहित आम लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद धर्मकांटे को बिना ढके खुला छोड़ देना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह पिछले कई दिनों से धर्मकांटे को ढकने और सुरक्षा इंतजाम करने के लिए संबंधित लोगों को चेतावनी दे रहे थे, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर गांव में करंट लगने से बुजुर्ग की मौत, भैंस चराते समय हुआ हादसा

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना में फतुहा प्रखंड के हाजीपुर गाँव में शनिवार को एक 60 वर्षीय व्यक्ति की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हाजीपुर गाँव निवासी सबल राय के रूप में हुई है। यह हादसा खेत में लगे लोहे के तार में करंट प्रवाहित होने के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, सबल राय शनिवार दोपहर अपनी भैंसों को चराने के लिए गाँव के बाहर खेत की ओर गए थे। भैंस चराते समय वे खेत में लगे लोहे के तार की चपेट में आ गए। तार में बिजली का करंट प्रवाहित हो रहा था, जिससे उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पुत्र राहुल कुमार ने बताया कि उनके पिता घर से सकुशल निकले थे। उन्होंने आरोप लगाया कि खेत मालिक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ, क्योंकि दिन के समय खेत के तार में करंट प्रवाहित हो रहा था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर फतुहा थाना पहुँचे। उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी और उचित मुआवजे की माँग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कागजी कार्रवाई शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया गया है।

जयमाला से पहले दुल्हन की मौत, प्रेमी ने भी खाया जहर, मुजफ्फरपुर से आई बारात लौटी खाली

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के कटहरा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब जयमाल से ठीक पहले दुल्हन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि दुल्हन और उसके प्रेमी ने कथित तौर पर जहर खा लिया था। मुजफ्फरपुर से बारात गांव पहुंची थी और जयमाल की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान दुल्हन स्टेज पर अचानक गिर पड़ी। शुरुआत में वधू पक्ष के लोगों ने इसे ब्लड प्रेशर कम होने का मामला बताया और स्थिति को संभालने की कोशिश की। हालांकि, रात बढ़ने के साथ मामला गंभीर होता चला गया। दूल्हा पूरी रात दुल्हन के ठीक होने का इंतजार करता रहा, लेकिन देर रात दुल्हन की मौत की खबर सामने आई। इसके बाद बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई। बताया जा रहा है कि दुल्हन का प्रेमी भी उसी गांव का है और उसने भी जहर खाया था। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और परिवार वाले उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज करवा रहे हैं। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वधू पक्ष और वर पक्ष के बीच विवाद और मारपीट की भी चर्चा है। मामले को लेकर एक पंचायत भी बुलाई गई थी, जिसमें प्रेमी पक्ष पर आर्थिक दंड लगाने का फैसला किया गया है। स्थानीय थाना पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में अब तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच की जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जारी हैं।

रेलवे ट्रैक के पास सिग्नल पर मिला इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में रेलवे ट्रैक के पास लगे सिग्नल टावर पर एक संदिग्ध इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) कैमरा मिला है। मामला हाजीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर सराय स्टेशन के पास समपार ढाला संख्या-43 सी स्पेशल की है। इस कैमरे का इस्तेमाल आतंकी नेटवर्क द्वारा रेलवे ट्रैक और सड़क की निगरानी के लिए किया जा रहा था। इस मामले की जांच के लिए ATS (एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) और STF (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीमें जुट गई हैं। यह कैमरा सोलर एनर्जी से ऑपरेट हो रहा था और इसे इंटरनेट के माध्यम से कंट्रोल किया जा रहा था। गुमटीमैन द्वारा दी गई सूचना के बाद जब कैमरे की जांच की गई, तो कई सनसनीखेज जानकारियां सामने आईं। यह कैमरा इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) टेक्नोलॉजी पर आधारित है और अंधेरे में भी क्लियर रिकॉर्डिंग करने में सक्षम है। जांच के दौरान कैमरे में आतंकी यासीन भटकल की तस्वीर मिलने की बात सामने आई है। इसके IP एड्रेस की पड़ताल से कर्नाटक के तटीय क्षेत्र से पाकिस्तान कनेक्शन वाले आतंकी नेटवर्क द्वारा इसकी मॉनिटरिंग किए जाने का खुलासा हुआ है। घटना से एक दिन पहले, एक हरियाणवी बोलने वाला संदिग्ध युवक समपार फाटक पर पहुंचा था। उसने खुद को एक NGO से जुड़ा बताया और सिग्नल टावर पर यह कैमरा फिट करके चला गया। गुमटीमैन को शक होने पर उसने तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। सराय स्टेशन के स्टेशन मास्टर मनोज कुमार के बयान पर प्राथमिकी (FIR) दर्ज की गई और मुख्यालय को घटना की सूचना दी गई। शुक्रवार देर शाम एटीएस की तीन सदस्यीय टीम और एसटीएफ जांच के लिए मौके पर पहुंची। पूर्व मध्य रेल के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार और रेल एसपी बीणा कुमारी को भी पूरी घटना से अवगत कराया गया है। शुरुआत में RPF ने मामला GRP हाजीपुर और मुजफ्फरपुर को भेजा था।

आईटीबीपी जवान ने सर्विस पिस्टल से भाई को मारी गोली

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में एक किराना दुकानदार को गोली मारी गई है, उसकी हालत गंभीर है। घटना हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र के आरएन कॉलेज के पास हुई। घायल की पहचान महनार के निवासी जितेंद्र सिंह (40) के तौर पर हुई है, जो आरएन कॉलेज के पास किराए के मकान में किराने की दुकान चलाते हैं। जितेंद्र सिंह को उनके ममेरे भाई और ITBP जवान रोहित सिंह उर्फ शैलेंद्र कुमार सिंह ने अपनी सर्विस पिस्टल से गोली मारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी रोहित सिंह ने जितेंद्र को अपने घर बुलाया था और निजी विवाद में फायरिंग की। आरोपी जवान का कहना है कि उनकी पत्नी से जितेंद्र सिंह का पुराना अफेयर है। दोनों के शादी से पहले से संबंध रहे हैं। मुझे शादी के बाद इसका पता चला। जितेंद्र सिंह को 3 गोलियां लगी, जिनमें से दो उनके हाथ में और एक सीने में लगी। उन्हें तुरंत इलाज के लिए PMCH रेफर किया गया है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई है। नगर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित सिंह उर्फ शैलेंद्र कुमार सिंह को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। रोहित सिंह सहदेई थाना क्षेत्र का निवासी है। आरोपी जवान का कहना है कि उनकी पत्नी का ममेरे भाई से पुराना संबंध है। 'दोनों का शादी से पहले से अफेयर था, जो आज भी है। शादी के समय मुझे इस बात की भनक नहीं थी। कुछ दिन पहले ही पता चला, उसके बाद मैंने विरोध जताया। ये सब सुनकर मेरा दिमाग पहले से खराब था। कुछ दिन पहले भी इसे लेकर जितेंद्र सिंह को मैंने समझाया था। उसे पत्नी से दूर रहने को कहा था।'

वैशाली में तेज आंधी-बारिश से 2 की मौत

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर आई तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों पेड़ गिरने और फसलों के चौपट होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पहली घटना बिदुपुर के दाउदनगर मठखनवा गांव में हुई। यहां 70 वर्षीय राम प्रवेश चौधरी पर आसमानी बिजली गिरी, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र अभिनाश कुमार ने बताया कि उनके पिता आंधी-बारिश के बाद आम के बगीचे में पेड़ देखने गए थे। बारिश तेज होने पर वह मचान पर बैठ गए, तभी बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें बिदुपुर सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना चांदपुरा गांव में सामने आई। यहां 9 वर्षीय निशांत कुमार (पिता सिनोद पासवान) आम के बगीचे में खेल रहे थे। तेज हवा और बारिश के दौरान ठनका गिरने से उनकी मौत हो गई। बच्चे को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तूफान ने क्षेत्र में व्यापक तबाही मचाई है। तेज हवा और बारिश से दर्जनों स्थानों पर पेड़ उखड़कर गिर गए। बाजार की कई दुकानों के शेड भी उड़ गए। गिरे पेड़ों के कारण कई मार्गों पर यातायात बाधित हो गया। चकसिकंदर शिव मंदिर के पास सड़क, रजासन में एक दुकान पर, बिदुपुर थाने में जब्त वाहन पर, मयाराम हाट रोड, रामदौली गंगा घाट रोड और बिदुपुर आरएस रोड सहित कई प्रमुख स्थानों पर पेड़ गिरे। इसके अतिरिक्त, केले की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं।

पटना में 200 पेड़ गिरे, रोड ब्लॉक, आज 20 जिलों में अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में पिछले 10 दिनों से तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को पटना में 135Kmph की रफ्तार से चली आंधी और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में पेड़ गिरने और ठनका गिरने से राज्यभर में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें सबसे अधिक 4 मौतें राजधानी पटना में हुईं। पटना में शुक्रवार को महज 30 मिनट की बारिश और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। राजधानी में 200 से अधिक, जबकि जिलेभर में 600 से ज्यादा पेड़ गिर गए। तेज आंधी के कारण 50 से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सड़कों पर पेड़ और होर्डिंग गिरने से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हालात ऐसे थे कि दो किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों को डेढ़ घंटे तक का समय लगा। देर रात तक शहर के कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी रही। जाम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी फंस गए, जिसके बाद उन्हें कार छोड़कर बाइक से जाना पड़ा। मौसम विभाग ने शनिवार को पटना समेत 20 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 मई तक राज्य में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इसके बाद मौसम सामान्य होने की संभावना है।

पटना में 4 की मौत: पटना के गर्दनीबाग में पेड़ गिरने से 30 साल के अभय कुमार की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसे में एक टाटा पंच कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, पटना गोल्फ क्लब के सामने पेड़ गिरने से समनपुरा निवासी 20 साल के मो. इरफान की मौत हो गई। नेउरा स्थित कुम्हार टोली में ठनका गिरने से 15 साल के एक बच्चे की जान चली गई। IPS मेस के पास पेड़ के नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मंदिरी में पेड़ गिरने से 58 साल के सतीश राम घायल हो गए। आर ब्लॉक स्थित स्लम बस्ती में नित्यानंद पंडित घायल हो गए। उधर, पटेल गोलंबर पर चलती कार पर अचानक पेड़ गिर गया, जिससे चालक बेहोश हो गया। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस ने चालक को कार से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया।

चिड़ियाघर में विजिटर्स की इंट्री रोकी, बापू टावर तीन दिन बंद: चिड़ियाघर में आंधी-पानी के दौरान 30 से अधिक पेड़ गिरे हैं। इस वजह से शनिवार को पटना जू में विजिटर्स के लिए बंद किया गया है। 52 साल में पहली बार आंधी-बारिश के बाद पटना जू बंद कर दिया गया है। रविवार से विजिटर्स सैर कर सकेंगे। उधर, बापू टावर को तीन दिनों के लिए आम दर्शकों के लिए बंद कर दिया गया है। आंधी की वजह से परिसर में पेड़ गिर गए हैं। टावर के बाहरी हिस्से को भी नुकसान पहुंचा है। दर्शकों की सुरक्षा और मरम्मत के काम को देखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

प्रॉपर्टी टैक्स पर 40 लाख की बचत, एक महीने में निगम को मिले 11 करोड़ रेवेन्यू

35 हजार से ज्यादा लोगों ने उठाया फायदा

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना नगर निगम अभी प्रॉपर्टी टैक्स के भुगतान पर मूल कर राशि में 5 प्रतिशत की छूट दे रही है। 1 अप्रैल से 7 मई 2026 के बीच कुल 35948 संपत्तिधारकों ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर लगभग 40.11 लाख रुपये की बचत की है। इस दौरान पटना नगर निगम को करीब 11 करोड़ रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स रेवन्यू के रूप में प्राप्त हुआ है। बिहार नगरपालिका संपत्ति कर नियमावली, 2013 के तहत ये छुट दी जा रही है।

ऑनलाइन भुगतान को मिल रही प्राथमिकता: वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने वाले करीब 60 प्रतिशत करदाताओं ने ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग किया है। करदाता पटना नगर निगम पोर्टल के अलावा अधिकृत यूपीआई ऐप्स जैसे पेटीएम, भीम और गूगल-पे के जरिए भी भुगतान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त नगर निगम मुख्यालय और सभी अंचल कार्यालयों में चेक, डिमांड ड्राफ्ट और नकद माध्यम से भी कर जमा किया जा सकता है।

30 जून तक मिलेगी 5 प्रतिशत की छूट: पिछले साल 1 अप्रैल 2025 से 7 मई 2025 तक करीब 47 हजार होल्डिंग्स से लगभग 13 करोड़ रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स प्राप्त हुआ था। इस साल लोगों को रियायत का लाभ दिलाने के लिए निगम के काउंटर हर दिन सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक खुले रह रहे हैं। निगम द्वारा बड़े बकायेदारों को शॉर्ट मैसेज सर्विस (SMS) के माध्यम से समय पर टैक्स भुगतान करने और छूट का लाभ उठाने की अपील की जा रही है।

आईआईटी पटना कैंपस में बीटेक छात्र की मौत

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के बिहटा स्थित आईआईटी पटना कैंपस में एक बीटेक छात्र का शव मिला है। मृतक की पहचान तेलंगाना निवासी हर्षित कुमार (22) के रूप में हुई है, जो बीटेक चौथे वर्ष का छात्र था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। इस घटना पर आईआईटी प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

यह घटना शनिवार सुबह आईआईटी कैंपस में सामने आई, जब लोगों ने एक युवक का शव देखा। इसके बाद आनन-फानन में स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचित किया गया। पुलिस टीम के पहुंचने के बाद पटना की एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। प्रथम दृष्टया, युवक की मौत का कारण करंट लगना बताया जा रहा है। इसी पोल में करंट होने और संपर्क में आने से मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को तेज आंधी और बारिश हुई थी। आशंका है कि हर्षित कुमार सुबह टहलने के लिए निकला था। तभी उसे करंट लग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना को लेकर आईआईटी थाना के थानाप्रभारी रोशन कुमार राज ने बताया कि, फिलहाल घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

नशा मुक्ति अभियान में बड़ी सफलता, 448 तस्करों की गिरफ्तारी और करोड़ों की नशीली पदार्थों की बरामदगी

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अब तक कुल 448 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और लगभग 2,92,64,324 रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। यह कार्रवाई कोशी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक की निगरानी तथा पुलिस अधीक्षक, सहरसा के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की गई। पुलिस के अनुसार जनवरी से 08 मई 2026 तक चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान अवैध शराब और अन्य नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई। आंकड़ों के मुताबिक, मद्यनिषेध अधिनियम के तहत 217 लोगों तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत 67 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा पुराने मामलों में 164 अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के तहत 3651.150 लीटर देसी शराब और 7020.060 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई, जिसकी कुल मात्रा 10671.2 लीटर है और अनुमानित कीमत 1,12,88,544 रुपये है। इसके अतिरिक्त 1442.300 लीटर कोडीनयुक्त कफ सिरप, 44.222 किलोग्राम गांजा और 672.850 ग्राम स्मैक (हेरोइन) भी बरामद की गई, जिनकी कुल कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। इसके अलावा बड़ी संख्या में नशीली गोलियां और अन्य प्रतिबंधित पदार्थ भी जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान 20 भट्टियों को ध्वस्त किया गया तथा भारी मात्रा में तैयार जावा (कच्ची शराब) भी बरामद की गई। अभियान के दौरान प्रयुक्त वाहनों को भी जब्त किया गया, जिनमें 2 ट्रक, 14 तीन/चार पहिया वाहन और 46 दोपहिया वाहन शामिल हैं। सहरसा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशा और तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

ऑपरेशन 'मुस्कान' में बड़ी सफलता, 425 मोबाइल फोन बरामद कर वास्तविक धारकों को सौंपे गए

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्देश पर चलाए जा रहे "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के तहत सहरसा पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अभियान के विभिन्न चरणों (फेज-01 से फेज-08) के दौरान अब तक कुल 425 गुम/चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे जा चुके हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कुल कीमत लगभग 71,84,923 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, जिले के सभी थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी और चोरी के मामलों के आधार पर मोबाइल फोन की ट्रैकिंग कर उन्हें बरामद किया गया और विधिवत सत्यापन के बाद वास्तविक धारकों को वापस किया गया। अभियान के तहत फेज-08 में दिनांक 09 मई 2026 को कुल 73 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 15,43,774 रुपये है। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, कोशी क्षेत्र एवं पुलिस अधीक्षक, सहरसा की उपस्थिति में पुलिस केंद्र, सहरसा में एक कार्यक्रम आयोजित कर मोबाइल फोन लौटाए गए। सहरसा पुलिस ने कहा कि आम जनता के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाए, तो वे तुरंत उसे ब्लॉक कराने और ट्रैकिंग के लिए दूरसंचार विभाग के CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

नवहट्टा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, देशी पिस्टल व मोटरसाइकिल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नवहट्टा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक आरोपी को देशी पिस्टल और मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के दौरान 08 मई 2026 को नवहट्टा थाना पुलिस को सूचना मिली कि दो संदिग्ध अपराधी मोटरसाइकिल से हथियार के साथ बैरो से नवहट्टा की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम पट्टी बड़गांव पुल के पास वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बैरो की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम टुनटुन शर्मा, पिता राजेंद्र शर्मा, निवासी बैरो, थाना व जिला सुपौल बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्टल और मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसे पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया। इस संबंध में नवहट्टा थाना कांड संख्या 99/26 दिनांक 08 मई 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष राहुल कुमार, संजीव कुमार, अनुज कुमार, अंगद कुमार सहित नवहट्टा थाना की सशस्त्र पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रेलवे स्टेशन पर अवैध सीसीटीवी कैमरा मिला, आतंकी कनेक्शन की चर्चा

लोकतंत्र की शान , मुजफ्फरपुर

समस्तीपुर रेल मंडल के सराय रेलवे स्टेशन स्थित फाटक संख्या-43 पर संदिग्ध परिस्थितियों में अवैध CCTV कैमरा मिला है। इससे रेलवे प्रशासन और आरपीएफ महकमे में हड़कंप मच गया है। बिना अनुमति लगाए गए इस कैमरे को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कैमरे को आतंकी कनेक्शन से भी जोड़कर देखा जा रहा है। चर्चा है कि इस कैमरे की सीधे पाकिस्तान से मॉनिटरिंग की जा रही थी। इसको लेकर एटीएस को भी इसकी जानकारी दी गई है।

मामला 7 मई 2026 का है। सराय रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने जानकारी दी। इनके अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे समपार फाटक संख्या-43 SPL पर ड्यूटी कर रहे गेटमैन संतोष कुमार ने सूचना दी। उन्होंने बताया कि दो अज्ञात लोग पश्चिमी हाइट गेज पोल पर एक CCTV कैमरा लगाकर वहां से फरार हो गए हैं। सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक ने इसकी जानकारी सराय कैंपिंग ड्यूटी में तैनात आरपीएफ प्रधान आरक्षी अवधेश राम को दी। दोनों जब मौके पर पहुंचे, तो देखा कि फाटक के पश्चिमी पोल पर करीब 10 फीट की ऊंचाई पर एक छोटा कैमरा और सोलर प्लेट लगाया गया था।

मंत्री दिलीप जायसवाल की भ्रष्ट अधिकारियों, जमीन माफियाओं को चेतावनी, बोले- गलत करने वाले जाएंगे जेल

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कल ही अपने विभाग का पदभार ग्रहण किया। जिसके बाद आज विभागीय अधिकारियों और जमीन माफियाओं को लेकर बेहद सख्त तेवर दिखाए। मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि राजस्व विभाग के अंदर जो भी चुनौतियां हैं, उन्हें अवसर में बदलकर व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा।

दिलीप जायसवाल बोले- गलत करने वाले जेल जाएंगे: मंत्री दिलीप जायसवाल ने कड़े अंदाज में कहा कि, 'सरकार की प्राथमिकता आम जनता को जमीन से जुड़े मामलों में त्वरित और पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है।'

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि, 'जनता के प्रति जवाबदेही तय की जाएगी और लापरवाही या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे।' दिलीप जायसवाल ने कहा कि, 'सरकार अब राजस्व व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। अब जमीन से संबंधित लगभग सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रूप से उपलब्ध हैं और किसी भी प्रकार की हेराफेरी की संभावना कम हो गई है।'

बड़े अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी- राजस्व मंत्री: राजस्व मंत्री ने बताया कि, 'सरकार चाहती है कि राजस्व विभाग जनता के लिए भरोसेमंद विभाग बने और लोगों को पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि, 'हाल ही में विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जमीन विवाद, दाखिल-खारिज, म्यूटेशन और अतिक्रमण जैसे मामलों में तेजी से कार्रवाई हो। साथ ही जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।' परिवारवाद के सवाल पर मंत्री दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि, 'परिवारवाद का असली मतलब वही है, जहां किसी बड़े नेता का बेटा सीधे सर्वोच्च पद पर पहुंच जाए। परिवारवाद उसे कहते हैं, जब प्रधानमंत्री का बेटा प्रधानमंत्री बन जाए, मुख्यमंत्री का बेटा मुख्यमंत्री बन जाए। जैसे राहुल गांधी और तेजस्वी यादव। राजस्व मंत्री ने निशांत कुमार का बचाव करते हुए कहा कि, 'निशांत कुमार अभी राजनीति में नए हैं और संगठन व पार्टी के माध्यम से काम कर रहे हैं। निशांत कुमार अभी-अभी राजनीति में आए हैं। संगठन में हैं, पार्टी में हैं, मंत्री बने हैं और आगे बेहतर काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि, 'विपक्ष को परिवारवाद पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि देश और राज्य की राजनीति में सबसे ज्यादा परिवारवाद विपक्षी दलों में ही देखने को मिलता है।'

संक्षिप्त समाचार

इज्जतनगरः सौ फुटा रोड पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, कार सवार महिलाओं को हल्की चोटें, हादसे के बाद मौके से फरार हुईं

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश) बरेली–ः थाना इज्जतनगर क्षेत्र के सौ फुटा रोड पर शनिवार शाम एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार महिलाओं को हल्की चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार काफी तेज गति में थी और अचानक संतुलन बिगड़ने से डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि कार में सवार महिलाएं किसी तरह बाहर निकलीं और थोड़ी देर बाद मौके से चली गईं। सूचना मिलते ही इज्जतनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पलटी हुई कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय कार काफी तेज गति में थी। अचानक मोड़ लेते समय चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके चलते कार पलट गई। हादसे के कारण कुछ देर के लिए सड़क पर जाम जैसी स्थिति भी बन गई, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सामान्य कराया। सूत्रों के अनुसार कार में सवार महिलाएं कथित तौर पर किसी बड़े परिवार से जुड़ी बताई जा रही हैं। साथ ही शराब के नशे में होने की भी चर्चा है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। इज्जतनगर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही वाहन मालिक और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक महिलाओं को मामूली चोटें आई थीं और फिलहाल मामले में किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

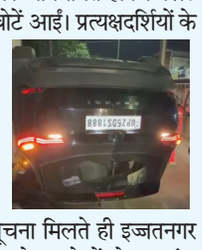

नूर महल में लेबनान के राजदूत हादी जाबेर और उनके परिवार का स्वागत करते पूर्व मंत्री नवाब काज़िम अली खां उर्फ नवेद मियां

लोकतंत्र की शान ,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर/ उत्तर प्रदेश/रज़ा लाइब्रेरी पहुंचे लेबनान के राजदूत हादी जाबेर। साथ में पूर्व मंत्री नवाब काज़िम अली खां उर्फ नवेद मियां। भारत और लेबनान हमेशा से अच्छे दोस्त : हादी जाबेररामपुर पहुंचे लेबनान के राजदूत का नूर महल में शानदार स्वागत, रज़ा लाइब्रेरी का भी दौरा रामपुर। भारत लेबनान के राजदूत हादी जाबेर ने कहा कि भारत और लेबनान हमेशा से अच्छे दोस्त रहे हैं। इस रिश्ते को और मज़बूत बनाने की कोशिश है। भारत में लेबनान के राजदूत हादी जाबेर शनिवार को सपरिवार नूर महल पहुंचने पर पूर्व मंत्री नवाब काज़िम अली खां उर्फ नवेद मियां ने सभी का फूल

में मालाएं पहनाकर परम्परागत रूप से स्वागत किया। अतिथि देवो भवः की भावना से हुए इस्तक़बाल से राजदूत काफी खुश नजर आए। उन्होंने मेहमाननवाज़ी और शाही दस्तरख्वान के पकवानों की प्रशंसा भी की। नवेद मियां के साथ राजनयिक ने विश्व धरोहर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भी दौरा किया। उन्होंने हामिद मंज़िल की भव्यता को सराहा और रामपुर के तत्कालीन शासकों द्वारा इस लाइब्रेरी में मौजूद संग्रह को बेशकीमती क़रार दिया। रजा लाइब्रेरी के निदेशक डॉ पुष्कर मिश्र ने राजनयिक का स्वागत किया। उन्हें लाइब्रेरी में अरबी संग्रह के बारे में बताया। कई मुद्रित पुस्तके भी भेंट कीं। राजनयिक ने कहा कि भारत और लेबनान के संबंध 1954 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देश अच्छे दोस्त हैं। उनका प्रयास है कि भारत और लेबनान का रिश्ता और ज़्यादा मज़बूत हो। उन्होंने कहा कि रामपुर आकर बहुत अच्छा लगा। भारत के लोग बहुत अच्छे हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद बेगम नूरबानो और पूर्व मंत्री के पीआरओ काशिफ खां भी मौजूद रहे।

पूर्व मंडल अध्यक्ष के आवास पर शक्ति केंद्र प्राइमरी पाठशाला कायस्थान की बैठक संपन्न हुई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शनिवार को भारतीय जनता पार्टी हसनपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा के आवास पर मंडल हसनपुर के शक्ति केंद्र प्राइमरी पाठशाला कायस्थान की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें विभिन्न बिंदुओं को लेकर चर्चा हुई, वही पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर एक दूसरे को बधाई दी गई तथा मिठाई खिलाई गई, इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि 2027 में यूपी में फिर से माननीय योगी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, वहीं उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी से 2027 के चुनाव को संपन्न करने के लिए अभी से ही जुट जाने की अपील की तथा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को जन-जन तक को जाने का आह्वान किया, इस मौके पर मुख्य रूप से मंडल प्रवासी हेमराज सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक अनुपम अग्रवाल, पोरुष अग्रवाल, अनुराग शर्मा, मीनू शर्मा, नामित सभासद ज्योति गर्ग, आम्रपाली गुर्जर, ममता शर्मा, प्रमोद पांडे सविता राणा आदि मौजूद रहे ।

यूनिवर्सिटी की लड़ाई कल्याण परिवार में सड़कों पर

लोकतंत्र की शान

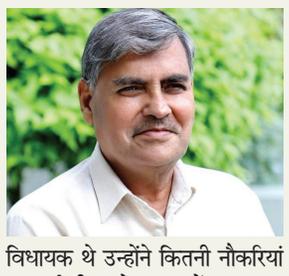

राजनीति में हर किसी का दबदबा होता है कोई लोगों को रोजगार दिलाने के लिए आवाज उठाता है तो कोई उसको दबाने का प्रयास करता है ऐसी ही कुटेल 4 यूनिवर्सिटियर्यों की लड़ाई कल्याण परिवार में सड़कों पर है जहां राजेंद्र कल्याण यूनिवर्सिटी का नाम गुरु ब्रह्मानंद के नाम से विख्यात कराकर गरीब परिवारों को रोजगार दिलाने की मांग लंबे समय से उठा रहे हैं तो वहीं घरौंडा विधानसभा विधायक हरविंदर कल्याण एवं उनके सहयोगी यूनिवर्सिटी के नाम को दबाना चाहते हैं जिसमें पूर्व मंत्री एवं स्वर्गीय चौधरी मुल्तान सिंह के नाम एवम उनके जीवन को भी अपमानित किया जा रहा है यह आरोप लगाते हुए राजेंद्र कल्याण ने कहा कि उनके पिताजी 40 साल पहले इस दुनिया से विदा हो गए थे और उनसे यह पूछा जा रहा है, 60 साल पहले विधायक थे उन्होंने कितनी नौकरियां लगवाई थी उनके पुत्र राजेंद्र कल्याण ने कहा ऐसे में उनका घमंड नजर आता है उन्होंने कहा एक ईमेल उन्होंने परमपिता परमात्मा के पास भेजी है और पूछा है भगवान स्वर्ग में मेरे पिताजी से पूछ कर यह बताएं कि उन्होंने कितनी नौकरियां लगवाई थी ताकि वह सत्ताधारियों को इसका जवाब दे सके राजेंद्र कल्याण का कहना है क्या मैंने रोड समाज की आवाज उठाकर कोई गुनाह किया है जबकि रोड समाज द्वारा दान में दी गई भूमि पर बनी यूनिवर्सिटीयो में किसी एक का नाम गुरु ब्रह्मानंद

Haryana 2024

HARVINDER KALYAN (Winner)

जी के नाम से बने जिससे गांव के सभी बच्चों एवं गरीब बेसहारा शिक्षित परिवारों को रोजगार मिल सके क्या उनके हकों की आवाज उठाना मेरे लिए कोई बड़ा गुनाह है जबकि मुझे स्पीकर किस शह पर उनके रिश्तेदार भाई संजय खेची दाहिना हाथ गंदी गालियां देकर अपमानित करने का काम कर रहे है जो किसी कायदे में ठीक नहीं, इसके अलावा मेरे पिता स्वर्गीय चौधरी मुल्तान सिंह के बारे में कहता है, मुझे दुख इस बात का है हमारे बच्चे 50-60 लाख रुपया अपनी जमीन कीला बेचकर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं विदेशों में उन्हें अवैध होने के कारण हथकड़ियां और बेड़िया लगाकर वापस भेज दिया जाता हैं जबकि हमारी यूनिवर्सिटी में हजारों संख्या में नौकरी लगेंगी,, ना ही बच्चों के लिए कोई कोटा दाखिला आरक्षित है, ये बड़ी गंभीर समस्या है इस पर सत्ताधारी अपना फायदा उठाना चाहते हैं राजेंद्र कल्याण ने कहा मैं अपनी आवाज समाज के लिए उठा रहा हूं ताकि गरीब बेसहारा परिवारों को रोजगार मिल सके इसीलिए यूनिवर्सिटी का नाम गुरु ब्रह्मानंद रखने की आवाज उठाई गई है मेरे द्वारा यह ऐतिहासिक लड़ाई लोगों को न्याय देने का कार्य करेगी

पलक झपकते ही गायब हो गया दुकान से मोबाइल फोन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

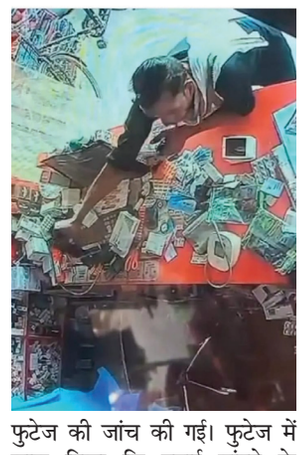

सीधी। जिले के कमर्जी थाना अंतर्गत हटवा बरहा टोला में संचालित एक मेडिकल स्टोर से मोबाइल चोरी का मामला सामने आया है। हटवा बरहा टोला स्थित दुकान पर घटना शनिवार सुबह की है। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरी का वीडियो अब सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की पहचान का प्रयास कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार हटवा बरहा टोला निवासी संजय पटेल अपनी मेडिकल दुकान पर मौजूद थे। शनिवार सुबह करीब 8 बजे एक अज्ञात युवक दुकान पर आया और पेट दर्द की दवाई मांगी। संजय पटेल जैसे ही दवाई निकालने के लिए मुड़े युवक ने काउंटर पर रखा मोबाइल फोन उठा लिया। कुछ ही सेकंड में वह दुकान से फरार हो गया। शुरुआत में दुकान संचालक को चोरी का आभास नहीं हुआ। कुछ देर बाद जब उन्होंने अपना मोबाइल फोन ढूंढा और वह नहीं मिला, तब सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में साफ दिखा कि दवाई मांगने के बहाने आया युवक बड़ी चालाकी से मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। इस संबंध में थाना कमर्जी में शिकायत दर्ज कराई गई है। थाना प्रभारी इंद्राज सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मेडिकल स्टोर से मोबाइल चोरी की पुष्टि हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है

कटनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में वित्तीय अपराधों एवं आमजन से धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कटनी जिले की एनकेजे थाना पुलिस को व्यापार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। कार्रवाही के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36 लाख 30 हजार रुपये नगद एवं घटना में प्रयुक्त एक लग्जरी वाहन सहित 76 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी से आरोपी द्वारा स्वयं को रेलवे का कॉन्ट्रेक्टर बताते हुए रेलवे से संबंधित कार्य में निवेश कराने का झांसा दिया गया। आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से विश्वास में लेकर रेलवे ठेका दिलाने एवं उसमें लाभ दिलाने का प्रलोभन दिया तथा छलपूर्वक 36 लाख 30 हजार रुपये की राशि प्राप्त कर ली। बाद में फरियादी को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर थाना एनकेजे में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस द्वारा तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। तकनीकी साक्ष्यों, साइबर इनपुट एवं सतत निगरानी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। इसके पश्चात जिला पन्ना क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

बिना काम कराए धड़ल्ले से आहरित कर रहे निर्माण कार्य का बजट

- सीधी जिले के वनोपज सहकारी समितियों का मामला,56 प्रतिशत राशि निकलने की चर्चा
- वनोंपज सहकारी समितियों के निर्माण कार्य सवालों के घेरे में
- बिना निर्माण के ही निकल चुकी है 56 प्रतिशत राशि

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के वन परिक्षेत्र मझौली अंतर्गत प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के कार्य क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य सवालों के घेरे में देखे जा रहे हैं जिसे पिछले दिनों समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक भी किया गया था वहीं दूसरा मामला फिर से प्रकाश में आया है जहां प्राथमिक वनोंपज सहकारी समिति कार्यालय भवन मझौली एवं जोबा का निर्माण कार्य शुरू किया गया है जिसमें मझौली समिति में जहां नींव की खुदाई कर कुछ मटेरियल गिराया गया है वहीं जोबा में नींव की बीम डाली गई है जिसे देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब नींव टेढ़ी-मेढ़ी एवं बनते ही टूटने लगी हो तब उसमें तैयार होने वाले भवन की क्या स्थिति होगी। वहीं बगल में रखी गिट्टी व ईंट के गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।अगर मटेरियल सप्लायर के द्वारा निम्न स्तर का सामान दिया जाता है तो उसे वापस करना चाहिए लेकिन उसी से नींव की बीम डाली गई है।

निकल चुकी है 56 प्रतिशत राशि

सूत्रों के मुताबिक उपरोक्त दोनों निर्माण कार्य के नाम पर 2023 में प्रस्ताव भेजा गया था एवं तत्कालीन जिम्मेदारों के द्वारा कागजों में ही निर्माण कार्य दिखाकर स्वीकृत राशि 5–5 लाख रुपए में से 56 प्रतिशत राशि आहरण की जा चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है की शेष 44 प्रतिशत राशि में क्या निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है अथवा तत्कालीन जिम्मेदारों के साथ समझौता करके उसे समायोजित किया गया है यह एक बड़ा सवाल है।

इनका कहना हैं। समिति के कार्यालय निर्माण हेतु भवन निर्माण का भूमि पूजन मार्च 2026 में किया गया है पूर्व में राशि निकाल ली गई है इसकी जानकारी मुझे नहीं है। 05 लाख रुपए स्वीकृत है। निर्धारित स्टीमेट के तहत काम होना चाहिए यह मेरी प्राथमिकता है।

कबाड़ कारोबारियों के आगोश में समाया बहरी का बाजार

- कबाड़ में खपाया जा रहा चोरी का माल,हर रोज लाखों का अवैध कारोबार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

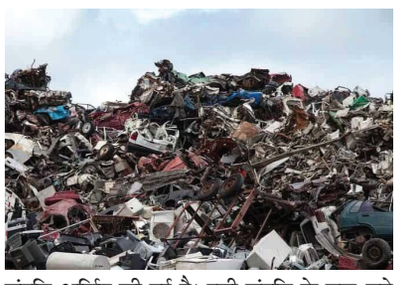

सीधी। कबाड़ के कारोबार में टैक्स चोरी का खेल निर्बाध रूप से चल रहा है। लिहाजा कारोबारी मालामाल होते रहते हैं और शासन को टैक्स के नाम पर फूटी कौड़ी नहीं मिलती। कबाड़ का ज्यादातर कारोबार बिना पंजीयन के ही अवैध रूप से करने का खेल सीधी जिले में निर्बाध रूप से जारी है। छोटा सा कबाड़ का कारोबार करने वाला व्यवसायी कुछ सालों के अंदर ही करोड़ों का आसामी हो जाता है। कारण कबाड़ के अवैध कारोबार में चोरी का माल सबसे ज्यादा खपाया जाता है। इस पर कोई कार्रवाई न हो इसके लिए संबंधित व्यवसायी को स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त करना सबसे जरूरी होता है। इसी वजह से चोरी के मामले लगातार बढ़ते हैं और उस पर लोहे की सामग्री के चोरी जाने पर कोई कार्रवाई नहीं होती। कबाड़ के कारोबार को बढ़ाने में स्थानीय कुछ लोगों की भूमिका सबसे ज्यादा होती है। उनके द्वारा इसके लिए सरकारी संपत्तियों को मुख्य निशाना बनाया जाता है। इसी तरह की मनमानी को लेकर बहरी में एक कबाड़ का व्यवसाय काफी सुर्खियों में बना हुआ है। बबुलेश कबाड़ी के नाम से मशहूर उक्त कारोबारी द्वारा कुछ ही सालों के अंदर अकूत संपत्ति अर्जित की गई है। इसी संपत्ति के बल-बूते अब उसके द्वारा भू-माफिया का कारोबार भी शुरू कर दिया गया है। इसके तहत संयुक्त खाते की भूमियों को औने-पौने दामों में खरीदकर बाद में पुलिस के संरक्षण से उस पर मनमानी कब्जा करना शामिल है। कबाड़ी के इस कृत्य की चर्चा समूचे क्षेत्र में काफी सुर्खियों में बनी हुई है। ऐसा नहीं है कि इसकी शिकायतें पुलिस तक नहीं हो रही है फिर भी मामला दर्ज करने में ही हीलाहवाली की जाती है। इसी वजह से संबंधित कारोबारी द्वारा क्षेत्र में कबाड़ के साथ ही विवादित भूमियों की खरीद-फरोख्त के अलावा अन्य कई कारोबार भी शुरू कर दिए गए हैं। उक्त कारोबार के लिए उसके द्वारा किसी तरह की अनुमति एवं लायसेंस लेने की जरूरत भी नहीं समझी जाती। सबकुछ मनमानी तौर पर किया जा रहा है। इसके पीछे प्रमुख रूप से उसके द्वारा दिया जाने वाला मोटा नजराना शामिल है। जिससे जिम्मेदार अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं।

सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायत भी बेअसर

बहरी से करीब तीन किलोमीटर दूर हनुमना रोड़ के किनारे ग्राम करकचहा सुखदेव में बबुलेश गुप्ता कबाड़ी द्वारा संयुक्त खाते की भूमि को कौडिय़ों के दाम पर खरीदने के बाद अब उसके द्वारा संयुक्त खातेदारों के पुस्तैनी दशकों पुराने कच्चे मकान पर भी मनमानी तौर पर ताला तोड़ते हुए कब्जा जमाने का खेल शुरू कर दिया गया है। जिसकी बहरी थाना में रिपोर्ट करने पर दर्ज नहीं हुई। लिहाजा संयुक्त खातेदारों द्वारा पुस्तैनी मकान का ताला तोडक़र किए गए अवैध कब्जा पर पुलिस कार्रवाई न होने पर इसकी सीएम हेप्लालाईन में शिकायत 19 अप्रैल को दर्ज कराई गई। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत क्रमांक 37847378 एवं 37847626 दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई के लिए एल-1 अधिकारी के पास पहुंची। हैरत की बात तो यह है कि एल-1 अधिकारी द्वारा करीब 20 दिन तक सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों को अटेंड करने तक की भी जरूरत नहीं समझी गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कबाड़ी द्वारा मकान का ताला तोडऩे के बाद कहा जा रहा है कि थाना प्रभारी के कहने पर उसके द्वारा तोड़ा गया है। वहीं पुलिस की इस मामले में पूरी तरह से संदिग्ध भूमिका बनी हुई है।

दो से ढाई हजार में बिक रहा घरेलू गैस सिलेंडर

कुसमी क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने की शिकायत

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। आदिवासी विकासखंड मुख्यालय कुसमी में रसोई गैस की खुलेआम कालाबाजारी का मामला सामने आया है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुसमी मुख्य बाजार में शैलेन्द्र ट्रेडर्स के संचालक भोले गुप्ता द्वारा भारत गैस के सिलेंडरों का बिना किसी लायसेंस के बिक्री मनमानी दामों पर की जा रही है। किराना दुकान में भरे सिलेंडरों को 2200 से 2500 रुपए तक में बेखौफ बिक्री की जा रही है। ग्रामीणों का कहना था कि कुसमी में गैस एजेंसी के बंद होने का फायदा उक्त कारोबारी द्वारा उठाया जा रहा है। कई महीने से रसोई गैस की अवैध बिक्री की जा रही थी। जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में पूरी तरह से मूकदर्शक बने हुए हैं। बिना किसी सुरक्षा मापदंड के किराना दुकान में भरे गैस सिलेंडरों का स्टॉक रखकर 1 हजार रुपए के स्थान पर 2200 से 2500 रुपए में बेंचा जा रहा है।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने मसुरहा घाट में श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

- प्रभारी मंत्री श्री सिंह मसुरहा घाट में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रम में हुए शामिल
- कटनी को स्वच्छ बनाने समाज की सहभागिता जरूरीः प्रभारी मंत्री श्री सिंह
- गंदे पानी को साफ करने के लिये नव निर्मित एसटीपी प्लांट का किया निरीक्षण
- जिले के नदी-तालाबों की सफाई के लिये खरीदी जायेगी अत्याधुनिक ट्रैश क्लीनर मशीन

कटनीः परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री और कटनी जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत मसुरहा घाट में जलकुंभी निकालने के कार्य में श्रमदान कर कटनीवासियों को जल संरचनायें सहेजने का संदेश दिया। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत कटनी शहर को स्वच्छता के मामले में अग्रणी बनाने के लिए नागरिकों और समाज के सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी और सहयोग की अपील की। प्रभारी मंत्री ने यहां 6 करोड़ की लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान और स्वच्छ सर्वेक्षण जैसे कार्यक्रमों में शासन, प्रशासन के साथ समाज को भी आगे आना होगा। उन्होंने मसुरहा घाट में श्रमदान कार्य में छात्रों , युवाओं एवं शहरवासियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी की ऐसी ही उत्साहपूर्वक भागीदारी से कटनी शहर स्वच्छता में अग्रणी बनेगा।उन्होने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर आयोजित स्वच्छता अभियान को लेकर बच्चों में जागरूकता की प्रशंसा की तथा प्रदेश के सबसे स्वच्छ इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए कटनी वासियों से स्वच्छता को जीवन शैली में अपनाने की बात कही। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुए "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत जन सहयोग से जल संरक्षण के नए-नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कटनी के नदी ओर तालाबों की साफ सफाई करने के लिए अत्याधुनिक ट्रैश क्लीनर मशीन खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हम सबका कर्तव्य है कि मसुरहा घाट में कटनी नदी की धारा अविरल बनी रहे। नदी से क्षेत्र की पहचान होती है, इसे बचाकर आप अपने क्षेत्र की पहचान को समृद्ध करेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करना हमारा परम कर्तव्य है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी, जिला प्रभारी श्री सुजीत जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, नगर निगम अध्यक्ष श्री मनीष पाठक, नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, वनमण्डलाधिकारी गर्वित गंगवार, सहायक कलेक्टर श्री श्लोक वाईकर, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी सहित अन्य जन मौजूद रहे। मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता, बीना बैनर्जी, पार्षद शशिकांत तिवारी, अवकाश जायसवाल, लव साहू, सीमा श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष राम रतन पायल, पीताम्बर टोपनानी, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, सहित निगम के ब्रांड एम्बेसडर विज्ञन टीम के सदस्यों की मौजूदगी रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का संकल्प–कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का संकल्प है। अभियान के तहत निगम प्रशासन द्वारा कुओं की सफाई, नदी सफाई, सोक पिट निर्माण, नदी तालाबों की सफाई की जा रही है। जिसके तहत कटाए घाट में लगभग 480 मीटर नदी की सफाई पूर्ण की जा चुकी है। जो आगे भी अनवरत जारी रहेगी, वही अमृत योजना के तहत सीवरेज और जल प्रदाय के कार्यों को मजबूती प्रदान की जा रही है। महापौर श्रीमती सूरी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से उपस्थित नागरिकों से अभियान को जन अभियान का स्वरूप प्रदान करने का आग्रह भी किया। वही निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए निगम प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम प्रशासन द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए वर्षा पूर्व संपूर्ण कटनी की सफाई का कार्य पूर्ण करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में कटनी नगर को शिखर पर पहुंचाने के भरसक प्रयास किए जाने की जानकारी दी।

स्वच्छता की शपथ–कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम कटनी द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी से आमजनों को अवगत कराते हुए जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ ली गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों का सम्मान–कार्यक्रम के दौरान नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू एवं सुदृढ रखने वाले 10 सफाई मित्रों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया जाकर केप, गम बूट एवं यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। इस दौरान उपायुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री आसित खरे, राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक, सहायक यंत्री आदेश जैन, अनिल जायसवाल, सुनील सिंह, उपयंत्री संजय मिश्रा, मृदुल श्रीवास्तव, सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन जिला पंचायत, नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी, विभिन्न समाजसेवी संगठन के सदस्य, स्थानीय गणमान्य नागरिकों की भारी संख्या में मौजूदगी रही।

संक्षिप्त समाचार

खुलासा- ऑपरेशन सिंदूर में चीन ने पाकिस्तान को मदद दी, चीनी इंजीनियर ने माना- विमानों को टेक्निकली तैयार किया

बीजिंग। चीन ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर माना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान को मदद दी थी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सरकारी मीडिया CCTV पर प्रसारित इंटरव्यू में चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान में तकनीकी सहायता दे रही थी। उन्होंने बताया कि उनका काम लड़ाकू विमानों और उनसे जुड़े सिस्टम को पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार रखना था। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान एयरफोर्स चीन में बने J-10CE लड़ाकू विमान इस्तेमाल करती है। ये विमान AVIC की सहायक कंपनी बनाती है। भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह जुलाई 2025 में दावा कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को महत्वपूर्ण सहायता दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने चीन में बने फाइटर जेट इस्तेमाल किए थे। इंजीनियर झांग हेंग ने बताया कि पाकिस्तान एयर फोर्स चीन के बनाए J-10CE फाइटर जेट इस्तेमाल करती है। यह विमान चीन के J-10C मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का एक्सपोर्ट वर्जन है। इन विमानों को AVIC की सहायक कंपनी बनाती है। झांग हेंग ने इंटरव्यू में कहा कि सपोर्ट बेस पर लगातार फाइटर जेट्स की आवाज और एयर रेड सायरन सुनाई देते थे। उन्होंने कहा, "मई की सुबह में ही तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता था। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद कठिन स्थिति थी।" भारत ने 7 मई 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। उस समय भारत ने आरोप लगाया था कि चीन पाकिस्तान को समर्थन दे रहा है। हालांकि उस वक्त चीन के विदेश मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज या कमतर करके दिखाया था।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल बदला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बदलते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल बदल दिया। उन्होंने बायो में लिखा, 'फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं,16वीं,17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री। इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर,वेस्ट बंगाल लिखा था। बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार कर दिया। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया।

7 मई को पश्चिम बंगाल की 17वीं विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी थी 2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं थीं। वे 2011 से लगातार सत्ता में रहीं। हालांकि, अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। 2026 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने कुल 293 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें जीतीं। जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट गई। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर करीब 70% का स्ट्राइक रेट हासिल किया। वहीं, TMC 81 सीटों पर सिमट गई और उसका स्ट्राइक रेट करीब 27.6% रहा।

एम्स के प्रोफेसर बोले- हंतावायरस से डरने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। AIIMS दिल्ली के मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर डॉक्टर नीरज निश्चल ने शनिवार को कहा कि हंतावायरस से डरने की जरूरत नहीं है, हमारे देश में अब तक कोई केस सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि हंतावायरस कोविड की तरह नहीं फैल सकता है। ये बीमारी पहले से थी, लेकिन गुरुवार को शिप MV होंडियस में मिले वायरस की वजह से अब ये चर्चा में है। लेकिन भारत में अभी इसका कोई खतरा नहीं है। MV होंडियस एक डच एक्सपेडिशन क्रूज शिप है, जो अंटार्कटिका और दक्षिण अटलांटिक इलाकों में यात्राएं कराता है, लेकिन मई 2026 में यह जहाज एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की वजह से अंतरराष्ट्रीय चर्चा में आ गया। जहाज पर हंता वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आए। इस दौरान 3 यात्रियों की मौत हो गई। कई अन्य यात्री और क्रू सदस्य बीमार पड़ गए। कुछ लोगों को ICU में भर्ती करना पड़ा। जहाज को समुद्र में रोकना पड़ा, क्योंकि कई देशों ने तुरंत डॉकिंग की अनुमति नहीं दी। यह शिप 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। WHO ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है।

बठिंडा में बजरी से स्लिप हुई स्कूटी, बीच रोड पर गिरे, पिता की मौत, बेटी गंभीर

बठिंडा। बठिंडा में सड़क निर्माण के दौरान बाप-बेटी की स्कूटी फिसल गई। वह रोड पर गिर गए। इसी दौरान रोड समतल करने में जुटा रोलर पीछे की तरफ आया और बाप-बेटी के ऊपर चढ़ गया। बाप के सिर पर भारी भरकम रोड रोलर चढ़ने से सिर बुरी तरह कुचला गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 9 साल की बेटी बुरी तरह से घायल हो गई। उसे तुरंत इलाज के लिए एम्स रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, इसको लेकर अब 3 तरह की लापरवाही भी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक यह हादसा शुक्रवार को गणेशा बस्ती में हुआ। यहां गली नंबर 9 में रोड का निर्माण चल रहा था। इसी दौरान अफीम वाली गली के रहने वाले विशाल गुप्ता(35) अपनी बेटी मन्नत (9)के साथ स्कूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान एक घर के बाहर बिखरी बजरी की वजह से उनकी स्कूटी अचानक फिसल गई। स्कूटी फिसलते ही दोनों रोड में बीचोंबीच गिर पड़े। तभी पीछे की तरफ आ रहा रोड रोलर उनके ऊपर चढ़ गया। रोलर का पिछला पहिया दोनों के ऊपर से गुजरकर निकल गया। झटका लगा तो रोड रोलर का ड्राइवर तुरंत नीचे उतरा। हादसे का पता चलते ही वहां अफरातफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक विशाल गुप्ता का सिर बुरी तरह से कुचले जाने की वजह से उसकी मौत हो गई है। बेटी की हालत भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस की तरफ से पूरे हादसे की जांच की जा रही है। थाना सिविल लाइन के SHO रविंदर सिंह ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर जांच की गई है। इस मामले में मृतक के परिवार के बयान दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में एमबीबीएस स्टूडेंट का सुसाइड, 8वीं मंजिल की सीढ़ियों पर फंदे से लटका

जयपुर। सवाई मान सिंह (SMS) मेडिकल कॉलेज के न्यू आरडी हॉस्टल में MBBS फाइनल ईयर के स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। उसने शनिवार तड़के 8वें फ्लोर पर फंदा लगा लिया। सुसाइड की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। परिवार ने सवाल खड़े किए कि यूजी के स्टूडेंट को पीजी के हॉस्टल में एंट्री कैसे दी गई। नितिन यादव (22) 20 दुकान (नायला हाउस) के पास 4 दोस्तों के साथ किराए के फ्लैट में रहता था। उसका आज (शनिवार) फोरेंसिक मेडिसिन का पेपर था। एसएमएस थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया- नितिन अपने दोस्तों के साथ एसके मेनन हॉस्टल (यूजी) में पढ़ने पहुंचा था। वहां से रात करीब 2 बजे अपने फ्लैट पर जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद छात्र ने 2.45 बजे न्यू आर डी हॉस्टल (पीजी) में पहुंचा। नितिन यादव सीसीटीवी में 2.51 बजे तक सातवीं मंजिल पर दिखा। 3.15 बजे तक छात्र सीसीटीवी में दिखाई दिया। जिस 8वीं मंजिल पर छात्र ने फंदा लगाया, वहां सीसीटीवी नहीं था। महिला गार्ड ने सुबह साढ़े 5 बजे छात्र को फंदे से लटका देखा। सुबह साढ़े 6 बजे पुलिस को सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पुलिस ने पहुंचकर एफएसएल की टीम की मौजूदगी में छात्र को फंदे से उतरवाया। उसके पस किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके पास से पुलिस को एक स्मार्ट फोन और लैपटॉप मिला है। हॉस्टल स्टाफ का कहना है कि छात्र लैपटॉप बैग में खुद रस्सी लेकर आया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला का हाईली एनरिच्ड यूरेनियम निकाला

13.5 किलो न्यूक्लियर मटेरियल वॉशिंगटन लाया गया, अब इसे अमेरिका खुद प्रोसेस करेगा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाया है। यह यूरेनियम कई साल से वहां के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में रखा था। अमेरिका ने शुक्रवार को बताया कि यूरेनियम को कराकास के पास मौजूद साइट से हटाया गया और फिर सुरक्षित तरीके से अमेरिका भेजा गया। यह ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और IAEA ने मिलकर किया। US डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया। इसे अब साउथ कैरोलाइना के सवाना रिवर परमाणु साइट में प्रोसेस किया जाएगा। अमेरिकी एजेंसी नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (NNSA) ने कहा कि यह ऑपरेशन दक्षिण अमेरिका और US की सुरक्षा के लिए अहम

है। एजेंसी के मुताबिक वेनेजुएला का RV-1 रिसर्च रिएक्टर कई दशक तक न्यूक्लियर रिसर्च के लिए इस्तेमाल होता था। 1991 में रिसर्च बंद होने के बाद भी वहां हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखा रहा।

अमेरिका ने 6 हफ्ते से कम समय में मिशन को अंजाम दियाः अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह काम छह हफ्तों से भी कम समय में पूरा हुआ। यूरेनियम को खास कंटेनर में पैक किया गया। इसके बाद करीब 100 मील सड़क के रास्ते बंदरगाह तक ले जाया गया। वहां से ब्रिटेन की न्यूक्लियर ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस कंपनी के जहाज से अमेरिका भेजा गया। NNSA के डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. मैट नेपोली भी इस मिशन की निगरानी के लिए वेनेजुएला पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि टीम के अनुभव की वजह से यह ऑपरेशन सफल रहा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने भी ऑपरेशन की पुष्टि की। एजेंसी ने कहा कि यह जटिल और संवेदनशील ऑपरेशन था।

NNSA के मुताबिक 1996 से अब तक एजेंसी दुनिया के कई देशों से 7,350 किलो से ज्यादा हाईली एनरिच्ड यूरेनियम और प्लूटोनियम हटाने या सुरक्षित करने का काम कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से ईरान के पास मौजूद हाईली एनरिच्ड यूरेनियम को लेकर दबाव बना रहा है। ईरान के पास ऐसा करीब 408 किलो यूरेनियम बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका अब तक उसे हटाने में सफल नहीं हुआ है।

फर्जी निर्यात मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, संजीव अरोड़ा से जुड़ी 157 करोड़ की संपत्तियां अटैच

एजेंसी, चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन और फर्जी निर्यात मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हैंपटन स्काई रिएलटी लिमेटिड कंपनी तथा पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है। यह कार्रवाई 157.12 करोड़ रुपये के कथित फर्जी निर्यात से जुड़े मामले में की है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह अटैचमेंट आदेश विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 की धारा 37(3) और आयकर अधिनियम की धारा 132(9) के तहत जारी किए गए हैं। आदेश के तहत संबंधित संपत्तियों और बैंक खातों को 180 दिनों के लिए फ्रीज किया गया है, ताकि राजस्व हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और आगे की जांच में मदद मिल सके।

जानकारी के मुताबिक, ईडी ने हाल ही में गुरुग्राम के उद्योग विहार स्थित हैम्पटन स्काई रिएलटी लिमिटेड के कार्यालय, कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों के ठिकानों तथा संजीव अरोड़ा, काव्या अरोड़ा, हेमंत सूद और चंद्र शेखर से जुड़े परिसरों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया था। इसी जांच के आधार पर अब संपत्तियों को अटैच किया गया है।

ईडी का आरोप है कि कंपनी ने अपने निदेशकों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ मिलकर शेल कंपनियों का नेटवर्क तैयार किया और उसके माध्यम से फर्जी खरीद चालान बनाए। इन नकली दस्तावेजों के जरिए कथित तौर पर फर्जी बिक्री और निर्यात दिखाकर वित्तीय लेनदेन को वैध साबित करने की कोशिश की गई।

जांच एजेंसी के अनुसार, कुल 157.12 करोड़ रुपये के कथित निर्यात में से 102.50 करोड़ रुपये के लेनदेन केवल दो यूएई आधारित संस्थाओं के माध्यम से किए गए। ईडी को संदेह है कि इन लेनदेन का इस्तेमाल अवैध धन के प्रवाह और विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन के लिए किया गया। ईडी मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह मनाएगा ग्रामीण विकास मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय रविवार को मध्य प्रदेश के सीहोर में रजत जयंती समारोह मनाएगा। इसी मंच से पीएमजीएसवाई-IV का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह पीएमजीएसवाई -IV के तहत मध्यप्रदेश के लिए 2,117 किलोमीटर लंबाई की 973 सड़कों तथा 987 बसावटों को लाभ पहुंचाने वाले स्वीकृति पत्र और वित्तीय आवंटन मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंपेंगे। वहीं, पीएम जनमन के तहत 384 किलोमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं का आवंटन भी किया जाएगा, जिससे 168 पिछड़ी बसावटों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को लेकर वर्ष 2026-27 के लिए कुल 18,907 करोड़ रुपये के सांकेतिक आवंटन की घोषणा करेंगे। जिसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। यह आवंटन ग्रामीण संपर्क, आर्थिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि विपणन की पहुंच को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस समारोह में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान, राज्य के ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा राज्य के अन्य जनप्रतिनिधि और केंद्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे।

अमेरिका ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कीं, दावा- स्पेसक्राफ्ट से 4 फीट लंबे रहस्यमयी जीव उतरे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में शुक्रवार को लंबे समय से चर्चा में रही UFO फाइलों की पहली खेप जारी कर दी गई। ट्रम्प प्रशासन ने सैकड़ों नए वीडियो, फोटो और पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए। FBI के डिक्लासिफाइड दस्तावेजों में कहा गया है कि 1960 के दशक में कुछ लोगों ने UFO से छोटे कद के रहस्यमयी जीवों को बाहर निकलते देखने का दावा किया था। FBI रिकॉर्ड में कहा गया, "कुछ गवाहों ने दावा किया कि उन्होंने इन ऑब्जेक्ट्स से बाहर निकलने वाले क्रू मेंबर्स को देखा।" रिपोर्ट के मुताबिक इन जीवों की लंबाई करीब साढ़े तीन से चार फीट बताई गई। गवाहों ने कहा कि वे स्पेस सूट और हेलमेट जैसे कपड़े पहने हुए थे।

स्पेस सूट और हेलमेट पहना था

FBI के दस्तावेजों में कहा गया है कि 1965 में दुनिया भर में सबसे ज्यादा UFO देखे जाने की घटनाएं दर्ज हुई थीं।

चांद पर रहस्यमयी वस्तुएं दिखने का दावाः इन फाइलों में सबसे ज्यादा चर्चा NASA के अपोलो मिशन से जुड़ी तस्वीरों और अंतरिक्ष यात्रियों की बातचीत को लेकर हो रही है। जारी दस्तावेजों में NASA के अपोलो 12 और अपोल 17 मिशन से जुड़ी तस्वीरें और बातचीत के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। एक तस्वीर में चांद की सतह के ऊपर आसमान में तीन रहस्यमयी बिंदु दिखाई देने का दावा किया गया है। सबसे दिलचस्प हिस्सा अपोलो 17 मिशन का ट्रांसक्रिप्ट माना जा रहा है।

इसमें अंतरिक्ष यात्री उड़ान के दौरान अंतरिक्ष यान के पास चमकती चीजें दिखने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। एक ऑपरेटर ने मिशन कंट्रोल से कहा, "कुछ चमकते कण या टुकड़े हमारे पास से गुजरते दिख रहे हैं।" इसके जवाब में दूसरे ऑपरेटर ने कहा, "मेरी खिड़की के बाहर कई चमकती चीजें दिख रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आतिशबाजी हो रही हो।"

नेपाल के सिरहा जिले में कस्टम कार्यालय बंद करने का विरोध

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के सीमावर्ती सिरहा जिले के बरियारपट्टी में कस्टम कार्यालय को पुनः बहाल करने की मांग को लेकर स्थानीय निवासी, व्यापारी तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आंदोलन कर रहे हैं। इसके तहत हुलाकी राजमार्ग पर रैली और नुक्कड़ सभा आयोजित की गई। बालेन्द्र शाह की सरकार ने भारत के सीमावर्ती नेपाल के सिरहा जिले के बरियारपट्टी छोटी कस्टम कार्यालय बंद करने का निर्णय लिया था। सरकार ने यह बात राजपत्र में भी प्रकाशित की थी, जिसका विरोध हो रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस निर्णय से सीमावर्ती क्षेत्र के व्यापार, राजस्व संग्रह तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों पर सीधा असर पड़ेगा।

प्रदर्शन कर रहे लोगों के द्वारा परिक्रमा रैली के साथ नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मधेश प्रदेश के विधायक एवं पूर्व मंत्री संजय यादव

ने कहा कि देश की प्रमुख आय का स्रोत राजस्व संग्रह है और कानून के अनुसार राजस्व संग्रह करना राज्य की जिम्मेदारी है। जनता को आवश्यकता अनुसार सेवा-सुविधाएं उपलब्ध कराना भी राज्य का दायित्व है। उनका कहना था कि बरियारपट्टी जनसंख्या और व्यापारिक गतिविधियों के हिसाब से तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है। यदि इसे व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए, तो यह नाका अन्य सीमावर्ती नाकों से बड़ा तथा राजस्व संग्रह में अग्रणी बन सकता है।

उन्होंने सरकार के निर्णय को "राजनीतिक प्रतिशोध और गलत नीति" बताया। सांसद यादव ने आरोप लगाया कि जिस समय राज्य को सेवाओं का विस्तार करना चाहिए, उस समय उल्टे जनता की सेवाएं कम कर उन्हें दंडित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सिरहावासी ऐसे कदम को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कस्टम कार्यालय बंद कर नीतिगत भ्रष्टाचार करना चाहती है। उन्होंने आंदोलनकारियों से आंदोलन को और सशक्त रूप से आगे बढ़ाने की अपील की। इसी तरह आज सड़क जाम और बाजार बंद कर आंदोलन जारी रखा गया। स्थानीय एवं छात्र नेता दिपेन्द्र यादव ने बताया कि घोषित कार्यक्रम के तहत पूरे दिन बाजार बंद रहेगा और मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जबकि रविवार से अनिश्चितकालीन आम हड़ताल की तैयारी के लिए व्यापक चर्चा की जाएगी। शनिवार सुबह से ही बरियारपट्टी चौक पर प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचोंबीच बेंच रखकर हुलाकी मार्ग अवरुद्ध कर दिया। सड़क अवरुद्ध होने से पूर्व-पश्चिम आवागमन प्रभावित हुआ है, जबकि भारत से नेपाल आने-जाने वाले यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

केदारनाथ में खराब मौसम के चलते उड़ानों पर असर, 4000 बुकिंग कैंसिल

एजेंसी, देहरादून

केदारनाथ जाने के लिए हेली सेवाओं पर खराब मौसम के चलते बार-बार असर पड़ रहा है। अब तक 4 हजार से ज्यादा हेलिकॉप्टर बुकिंग रद्द कर दी गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी (UCADA) को सख्त निर्देश दिए हैं कि खराब मौसम में कोई भी उड़ान पहाड़ों पर ना जाए। DGCA ने केदारनाथ यात्रा शुरू होने से दो महीने पहले ही हेली यात्रा संबंधित गाइडलाइन पर सख्ती से अमल करने के निर्देश दिए थे। 2025 में चारधाम यात्रा में 5 हेली हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यात्रा मानकों पर सवाल उठे थे। इस बार DGCA ने UCADA को कोई भी रिस्क लेने से मना किया है। मई में बारिश, बर्फबारी और तेजी से बदलते मौसम के कारण लगभग 40% उड़ानें प्रभावित हुई हैं। अभी केदारनाथ यात्रा में आठ हेली कंपनियां अपनी सेवाएं दे रही हैं, जिसकी बुकिंग IRCTC कर रही है। केदारनाथ में दोपहर बाद लगातार मौसम खराब हो रहा है, जिससे हेली सेवाओं को रोक दिया जा रहा है। UCADA के सीईओ आशीष चौहान ने बताया कि इस बार सुरक्षा को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि रुद्रप्रयाग की मंदाकिनी वैली में कुछ ऐसी जगहें हैं जहां बादल ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की तरफ आते हैं। हम कैमरों के जरिए लगातार निगरानी कर रहे हैं। जैसे ही मौसम खराब होने का पहला इंडिकेशन मिलता है, हम तुरंत फ्लाइंग बंद कर देते हैं।

असम के तीन जिलों में भूकंप के झटके, कोकराझार में सबसे ज्यादा 4.5 तीव्रता दर्ज

एजेंसी, गुवाहाटी

असम के धुबड़ी, कोकराझार और बंगाईगांव जिलों में शनिवार को अलग-अलग समय पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, फिलहाल कहीं से भी किसी जानमाल के नुकसान या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, सबसे तेज झटका कोकराझार जिले में दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इसका एपीक सेंटर 26.214 उत्तरी अक्षांश और 90.103 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। इसके बाद धुबड़ी जिले में दोपहर 3 बजकर 17 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इसका एपीक

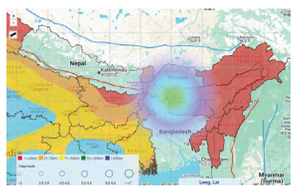

सेंटर 26.270 उत्तरी अक्षांश और 90.163 पूर्वी देशांतर पर बताया गया। वहीं, बंगाईगांव जिले में दोपहर 12 बजकर 03 मिनट पर हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 5 किलोमीटर नीचे स्थित था। इसका एपीक सेंटर 26.488 उत्तरी अक्षांश और 90.665 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के बाद लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल देखा गया और कई लोग घरों तथा कार्यालयों से बाहर निकल आए। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है। गौरतलब है कि, पूर्वोत्तर भारत लगातार भूकंपीय गतिविधियों का सामना कर रहा है।

सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र आरक्षित वन घोषित, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी मजबूती

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर इलाके को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह क्षेत्र वन विभाग के पश्चिमी वन प्रभाग के अधीन आता है और सरदार पटेल मार्ग तथा राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के इस निर्णय को राजधानी की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरणीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील रिज क्षेत्रों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने का विषय कई दशकों से लंबित था, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इस प्रक्रिया को आगे

बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंट्रल रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किए जाने के साथ तीन दशक से अधिक समय से लंबित एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1994 में दिल्ली के सभी पांच रिज क्षेत्रों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन लंबे समय तक इन्हें अंतिम कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाया। अब धारा 20 के तहत अधिसूचना जारी होने से सेंट्रल रिज क्षेत्र को मजबूत वैधानिक सुरक्षा प्राप्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली रिज, प्राचीन अरावली पर्वतमाला का विस्तार है और इसे राजधानी का 'ग्रीन लंग्स' माना जाता है। सेंट्रल रिज क्षेत्र राजधानी के मध्य में स्थित है और यह अपर रिज रोड के दोनों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के इलाकों से जुड़ा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह इलाका वायु गुणवत्ता सुधारने, भूजल स्तर को मजबूत बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन और शहरी प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष 24 अक्टूबर को दक्षिणी रिज क्षेत्र के लगभग 4080.82 हेक्टेयर इलाके को आरक्षित वन घोषित किया गया था। अब सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किए जाने के बाद वर्तमान सरकार अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन का दर्जा प्रदान कर चुकी है।

पृथ्वी की इस धरा पर माँ ईश्वर अल्लाह का रूप -मातृत्व प्रेम, त्याग और मानव सभ्यता की सबसे अनमोल धरोहर-मदर्स डे 10 मई 2026-एक व्यापक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» माँ की गोद एक शरण स्थान है,जहां हमें सुकून मिलता है सभी दुखों का इलाज होता है

» मातृ देवो भवः माँ का प्रेम ऐसा अमृत है, जिसमें केवल त्याग, ममता,करुणा,संरक्षण और आशीर्वाद होता है- माँ के सम्मान में सर्वस्व समर्पण कर दें -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के आरंभ से लेकरआज के आधुनिक वैज्ञानिक युग तक यदि किसी रिश्ते को सबसे अधिक पवित्र,निस्वार्थ,अद्वितीय और ईश्वर तुल्य माना गया है,तो वह रिश्ता माँ और संतान का है।पृथ्वी पर विद्यमान करोड़ों जीवों और अनगिनत प्रजातियों में यदि कोई भावना सबसे अधिक स्वाभाविक, गहरी और आत्मिक है, तो वह मातृत्व है। एक माँ केवल जन्म देने वाली स्त्री नहीं होती, बल्कि वह वह शक्ति होती है जो अपने बच्चे के लिए स्वयं को पूर्णतः समर्पित कर देती है। संसार का हर रिश्ता किसी न किसी अपेक्षा पर आधारित हो सकता है, किंतु माँ का प्रेम ऐसा अमृत है जिसमें केवल त्याग, ममता,करुणा,संरक्षण और आशीर्वाद होता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में माँ को भगवान से भी ऊपर स्थान दिया गया है और कहा गया "मातृ देवो भवः" अर्थात् माँ देवता के समान है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मैं अगर अपनी ब्रह्मलीन माँ के साथ में अपनी सच्चाई बताऊं तो 20 नवंबर 2020, धनतेरस के दिन से मैं अपनी मां के प्यार से वंचित हो गया हूं क्योंकि इसी दिन मेरी आंखों के सामने मेरी माँ को साइलेंट अटैक आया था और मेरे नजरों के सामने, मेरे से बात करते हुए, मैन दुनियां से ओझल होते हुए अपनी आंखों से देखा था वह पल मैं जिंदगी में कभी नहीं भूल पाऊंगा और हमेशा सोचता हूं, चिट्ठी ना कोई संदेश ना जाने कौनसा देश जहां तुम चले गए, आज मैं कहता हूं कि माँ दिवस 10 मई 2026 क्रो हे माँ ! तुम्हारे साथ माँ दिवस मनाना है, आओ इस लोक में या बुला लो परलोक में, इसीलिए ही कहता हूं जिनके पास माँ है वह जीवन में भाग्यशाली जीव है।जब कोई व्यक्ति अपने बचपन की स्मृतियों में लौटता है, तो उसे सबसे पहले माँ की गोद, उसकी थपकी, उसकी लोरी और उसका स्नेह याद आता है। बचपन में गिरने पर जो हाथ सबसे पहले सहारा देता है, वह माँ का होता है। भूख लगने से पहले जो चिंता करती है,वह माँ होती है। बच्चे की आंखों के आंसू देखकर जिसका हृदय कांप उठता है, वह माँ होती है। यही कारण है कि संसार का हर व्यक्ति अपने जीवन में चाहे जितनी भी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर ले, लेकिन उसकी आत्मा के सबसे कोमल हिस्से में उसकी माँ बसती है। जिस व्यक्ति के जीवन में माँ का साया मौजूद है, वास्तव में वह इस पृथ्वी का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति है, क्योंकि माँ की उपस्थिति केवल एक संबंध नहीं बल्कि ईश्वर की जीवंत व सटीक अनुभूति होती है। साथियों बात अगर हम मां के गहरे असीम प्यार को हम करीबी से महसूस कर सकते हैं इसको प्रैक्टिकल देखने की करें तो जिनके घर में छोटे दूध मुहें बच्चे हैं, तो हम देखेंगे की उस मां का अपने बच्चों पर कितना केयर रहता है।अपना पूरा समय वह बच्चों केलालन पोषण में लगा देती है, क्योंकि वह मां बच्चे के रोनें या नहीं सोने पर सारी रात आंखों में कांटे डालकर जैसे तैसे बिता देता है। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हमारे घर में अभी दो छोटे बच्चे हैं, कुमार और रूहान जिनकी परवरिश उनकी माएं कर रही है, तो एक मां और एक बच्चे की परवरिश की गहराई का एहसास मुझे होता है। मेरा मानना है कि जो मानवीय जीव अपनी मां का अपमान करते हैं उसे दुख देते हैं, घर से निकाल देते हैं या माँ की शान में कोई कृत्य करते हैं, तो उनसे बड़ा पापी इस पृथ्वी पर कोई नहीं है उनसे बड़ा कोई दुराचारी नहीं है, उनको इस योनि में उनके इस कृत्य का हज़ार गुणा फल जरुर मिलेगा ऐसा मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति ने अपनी मां का सम्मान करते हुए मां दिवस 10 मई 2026 को पूरा दिन मां के साथ बिताना चाहिए,उसकी छत्रछाया में उसके चरणों में बैठकर उनसे वार्तालाप करना, खेलना हंसमुख मजाक कर उन्हें खुशी देना चाहिए,फिर बस माँ को और क्या चाहिए।अगर उसकी औलाद उनकोखुशियां देती है तो मां के मुख से ऐसी दुआएं निकलती है जो उन बच्चों का यह लोक तो क्या परलोक भी सवेरा हो जाता है। अपने बारे में मुझे ऐसा पूरा विश्वास है कि 10 मई 2026 को अदृश्य रूप से ही सही मेरी मां जरूर आएगी, क्योंकि मैंने मन से कह दिया है माँ तुम्हारे साथ मैं माँ दिवस मनाना चाहता हूं आ जाओ इस लोक में या फिर बुला लो परलोक में। चूंकि मां की गोद एक शरण स्थान है, जहां हमें सुकून मिलता है, सभी दुखों का इलाज होता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे माँ धरती पर भगवान का रूप होती है माँ का स्थान हमारे जीवन में अद्वितीय होता है।साथियों बात अगर हम माँ के प्रेम की महानता को समझने की करें तो उसके लिए केवल मनुष्य समाज को देखना पर्याप्त नहीं है। यदि हम प्रकृति और जीव -जंतुओं के संसार

का अवलोकन करें तो पाएंगे कि मातृत्व हर जीव की मूल प्रवृत्ति है। गाय अपने बछड़े के लिए चिंतित रहती है, पक्षी अपने बच्चों को पंखों के नीचे छिपाकर सुरक्षा देते हैं, बिल्ली अपने बच्चों को मुंह में उठाकर सुरक्षित स्थान तक ले जाती है और एक कुतिया अपने पिल्लों की रक्षा के लिए किसी भी खतरे से भिड़ जाती है। यदि कोई व्यक्ति किसी पशु के बच्चे को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करे, तो उसकी माँ तुरंत आक्रमण कर देती है। यह केवल स्वभाव नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा दिया गया वह दिव्य भाव है जिसे मातृत्व कहा जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि माँ का प्रेम केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त सृष्टि में व्याप्त है।मानव जीवन में माँ का महत्व इसलिए भी सबसे अधिक है क्योंकि वह अपने बच्चे के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देती है। एक माँ अपने बच्चे को नौ महीने तक अपने गर्भ में रखती है, असहनीय पीड़ा सहकर उसे जन्म देती है और उसके बाद अपना हर सुख त्यागकर उसकी परवरिश करती है। बच्चे की एक मुस्कान उसके सारे दुःख भुला देती है। बच्चा रातभर रोता रहे तो माँ अपनी नींद भूल जाती है। वह स्वयं भूखी रह सकती है, लेकिन अपने बच्चे को भूखा नहीं देख सकती। यही त्याग मातृत्व को ईश्वर के सबसे निकट ले जाता है। साथियों आज की आधुनिक दुनिया में जहां भौतिकता और स्वार्थ बढ़ता जा रहा है, वहाँ माँ का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में भी कोई मशीन माँ का स्थान नहीं ले सकती। दुनिया का सबसे महंगा उपहार भी माँ की गोद जैसी शांति नहीं दे सकता। एक माँ अपने बच्चों के लिए केवल पालनकर्ता नहीं होती, बल्कि वह उनकी पहली गुरु, पहली चिकित्सक, पहली मित्र और पहली मार्गदर्शक होती है। बच्चे के चरित्र निर्माण में माँ की सबसे बड़ी भूमिका होती है। वह अपने संस्कारों से समाज और राष्ट्र का भविष्य तैयार करती है। साथियों समाज में जब कभी नैतिक मूल्यों के पतन की चर्चा होती है, तो उसका एक बड़ा कारण परिवारों में मातृत्व और पारिवारिक संस्कारों का सटीक कमजोर होना भी माना जाता है। जिस समाज में माँ का सम्मान होता है, वह समाज उन्नत और संस्कारित होता है। लेकिन दुर्भाग्य से आधुनिक समय में कई स्थानों पर वृद्ध माताओं के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और अपमान की घटनाएँ भी सामने आती हैं। कुछ लोग अपनी ही माँ को बोझ समझने लगते हैं, उन्हें वृद्धाश्रम भेज देते हैं या मानसिक पीड़ा देते हैं। यह केवल सामाजिक पतन नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का सबसे बड़ा अपराध है। जो व्यक्ति अपनी माँ का सम्मान नहीं कर सकता, वह वास्तव में किसी भी रिश्ते का सम्मान नहीं कर सकता। भारतीय संस्कृति सदैव यह संदेश देती रही है कि माँ के चरणों में स्वर्ग बसता है। माँ की सेवा केवल कर्तव्य नहीं बल्कि जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। साथियों माँ के आशीर्वाद की शक्ति को दुनिया की हर संस्कृति ने स्वीकार किया है। भारत में माँ दुर्गा, माँ सरस्वती और माँ लक्ष्मी के रूप में नारी शक्ति की पूजा की जाती है। ईसाई परंपरा में मदर मैरी को करुणा और पवित्रता का प्रतीक माना गया है। इस्लाम में कहा गया है कि "जन्नत माँ के कदमों के नीचे है। दुनिया की लगभग हर सभ्यता और धर्म ने माँ को सर्वोच्च सम्मान दिया है। यह दर्शाता है कि मातृत्व किसी एक समाज या संस्कृति की अवधारणा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा सत्य है। साथियों मदर्स डे अर्थात मातृ दिवस इसी मातृत्व के सम्मान का वैश्विक प्रतीक है। हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को दुनिया के अनेक देशों में मदर्स डे मनाया जाता है। हालांकि माँ के लिए केवल एक दिन पर्याप्त नहीं हो सकता, क्योंकि माँ का महत्व वर्ष के 365 दिनों में हर क्षण बना रहता है। फिर भी यह दिन हमें अवसर देता है कि हम अपनी माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, उनके त्याग को याद करें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे हमारे जीवन में कितनी महत्वपूर्ण हैं। साथियों मदर्स डे केवल उपहार देने का दिन नहीं है। यह दिन माँ के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त करने का अवसर है। बहुत से लोग इस दिन अपनी माँ के साथ समय बिताते हैं, उन्हें भोजन पर ले जाते हैं, उपहार देते हैं या उन्हें धन्यवाद कहते हैं। लेकिन वास्तव में माँ को सबसे अधिक खुशी अपने बच्चों का प्रेम और सम्मान देखकर मिलती है। यदि कोई संतान अपनी माँ के साथ बैठकर कुछ पल हँस ले, उनसे बातें कर ले, उनका हाथ पकड़ ले और यह कह दे कि "आप मेरे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैं," तो वही माँ के लिए सबसे बड़ा उपहार होता है। साथियों आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपने परिवार के लिए समय निकालना भूलते जा रहे हैं। बच्चे करियर और सफलता की दौड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि कई बार अपनी माँ की भावनाओं को समझ नहीं पाते। जबकि माँ का जीवन अपने बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमता है। वह वृद्ध हो जाए, कमजोर हो जाए, लेकिन उसके मन में अपने बच्चों के लिए चिंता कभी कम नहीं होती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम केवल मदर्स डे पर ही नहीं बल्कि हर दिन अपनी माँ का सम्मान करें, उनका ख्याल रखें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे अकेली नहीं हैं। साथियों माँ का खो जाना जीवन का सबसे बड़ा दुःख होता है। जिन लोगों की माँ इस संसार में नहीं हैं, वे इस पीड़ा को गहराई से समझते हैं। माँ के जाने के बाद व्यक्ति को एहसास होता है कि उसने जीवन का सबसे बड़ा सहारा खो दिया है। माँ की आवाज, उसकी डाँट, उसकी सलाह और उसकी उपस्थिति जीवनभर स्मृतियों में जीवित रहती है। कई लोग अपनी माँ को खोने के बाद हर दिन उन्हें याद करते हैं और महसूस करते हैं कि यदि माँ होती तो जीवन कितना अलग होता। माँ भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, लेकिन उसका प्रेम और आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहता है। साथियों भारतीय परिवार व्यवस्था में माँ को परिवार की आत्मा माना जाता है। वह केवल घर संभालने वाली महिला नहीं होती बल्कि पूरे परिवार को जोड़कर रखने वाली शक्ति होती है।उसकी भावनात्मक ऊर्जा ही परिवार को एकता और प्रेम में बाँधती है। यदि घर में माँ मुस्कुराती है तो पूरा घर खुशहाल लगता है। माँ की उपस्थिति घर को केवल मकान से परिवार बनाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम मातृत्व का सम्मान केवल शब्दों में नहीं बल्कि व्यवहार में भी करें। हमें अपनी माँ के स्वास्थ्य, सम्मान और भावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। वृद्धावस्था में उन्हें अकेला छोड़ने के बजाय उनका सहारा बनना चाहिए। बच्चों को भी बचपन से यह संस्कार दिए जाने चाहिए कि माँ का सम्मान जीवन का सबसे बड़ा व बहुमूल्य धर्म है। साथियों माँ वास्तव में धरती पर भगवान का स्वरूप है। वह बिना किसी स्वार्थ के प्रेम करती है, बिना थके सेवा करती है और बिना शिकायत के त्याग करती है। संसार में यदि कोई व्यक्ति हमें बिना शर्त स्वीकार करता है, तो वह माँ ही होती है। इसलिए यह कहना बिल्कुल उचित है कि माँ का स्थान जीवन में अद्वितीय और अपूरणीय है। उसकी गोद में जो सुकून मिलता है, वह दुनिया की किसी दौलत में नहीं मिल सकता। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मातृ दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं बल्कि मानवता को अपनी जड़ों और संवेदनाओं से जोड़ने वाला दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि चाहे हम कितने भीआधुनिक क्यों न हो जाएँ, हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी माँ का आशीर्वाद ही है। इसलिए आइए, केवल 10 मई 2026 को ही नहीं बल्कि जीवन के हर दिन अपनी माँ का सम्मान करें, उन्हें प्रेम दें और यह स्वीकार करें कि वास्तव में माँ धरती पर भगवान का सबसे सुंदर रूप है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

लेखक - दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है - वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था। अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने रोटी और कमल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था - देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं। आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ बाधाओं से मुक्ति या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है। सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, ट्रैफिक के नियमों को मजाक समझना और आपस में बढ़ती कड़वाहट - ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमें अपने हक तो याद हैं, लेकिन हम अपने कर्तव्यों के मामले में बिल्कुल मौन हैं। हमें यह समझना होगा कि 10 मई की वह क्रांति केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं थी, बल्कि एक ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के लिए थी जहाँ हर इंसान की इज्जत हो। तो खुद से पूछना चाहिए कि आज बतौर नागरिक हमारी वो इज्जत है, जिसके लिए हमारे पुरखे लड़े। क्या हम उन शहीदों के सपनों जैसा समाज बना पा रहे हैं? 10 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें केवल पुराने गौरव को याद करने का मौका नहीं देता, बल्कि हमें आगाह भी करता है। यह याद दिलाता है कि आजादी खैरात में मिली कोई चीज नहीं है, बल्कि यह एक साधना है जिसे हर नागरिक को अपने अच्छे आचरण से बचाकर रखना पड़ता है। अगर हम वाकई उन क्रांतिकारियों को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपनी आजादी को अनुशासन के साथ जीना होगा। जिस दिन हम अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को अपने अधिकारों के बराबर खड़ा कर देंगे, उसी दिन 1857 की वह क्रांति सही मायने में सफल मानी जाएगी।

जब तिरुपति मुंगेर आए

लेखक - कुमार कृष्णन

श्रीनिवास कल्याणोत्सव के दौरान तिरुपति बालाजी के मुंगेर आगमन ने योग नगरी को आध्यात्मिक परंपरा, योग विरासत और आधुनिक सांस्कृतिक कथा-कथाओं के एक अद्वितीय संगम में बदल दिया। उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर, सैकड़ों समन्वित ड्रोनों से जगमगाते आकाश के नीचे, प्राचीन शहर मुंगेर ने एक ऐसे दृश्य को देखा जो एक साथ भक्तिपूर्ण, सांस्कृतिक और गहन रूप से प्रतीकात्मक था।जैसे ही ऐतिहासिक योग नगरी में गोविंदा गोविंदा के जयकारे गूंजे, हजारों भक्त न केवल एक धार्मिक समारोह के लिए, बल्कि एक ऐसे आयोजन के लिए एकत्रित हुए जिसने शहर को आध्यात्मिक स्मृति, अनुष्ठानिक परंपरा और सार्वजनिक उत्सव के जीवंत परिदृश्य में बदल दिया।श्रीनिवास कल्याणोत्सवम के दो दिनों के दौरान जो कुछ घटित हुआ, वह एक सामान्य धार्मिक सभा से कहीं अधिक था। यह योग विरासत, दक्षिण भारतीय मंदिर परंपरा, नागरिक भागीदारी और आधुनिक सांस्कृतिक प्रस्तुति का एक दुर्लभ संगम बन यह समारोह स्वामी सत्यानंद सरस्वती के 6 मई, 1957 को मुंगेर में एक भ्रमणशील तपस्वी के रूप में आगमन के 69 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। शहर से जुड़ी आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार, उत्तर की ओर बहने वाली गंगा नदी ने ही उन्हें मुंगेर आने के लिए प्रेरित किया था।यहीं पर उन्होंने 1963 में बिहार स्कूल ऑफ योगा की स्थापना की, जिससे एक ऐसे योग आंदोलन की नींव पड़ी जिसे अंततः अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई। दशकों बाद, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने 2005 में मुंगेर को आधिकारिक तौर पर योग नगरी घोषित किया, जो योग दर्शन के वैश्विक प्रसार में शहर के योगदान को स्वीकार करता है।बिहार की योग परंपरा के कई निवासियों और अनुयायियों के लिए, स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आगमन दिवस का वार्षिक आयोजन न केवल एक आध्यात्मिक घटना है, बल्कि यह मुंगेर की उस पहचान की भी पुष्टि करता है जो योगिक विचारों और तपस्वी विरासत से आकारित शहर के रूप में है।इस वर्ष के उत्सवों का एक अतिरिक्त ऐतिहासिक महत्व था। पहली बार, आंध्र प्रदेश से भगवान तिरुपति बालाजी की उत्सव प्रतिमा को बिहार लाया गया और मुंगेर में पादुका दर्शन के लिए स्थापित किया गया।दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिमा भक्ति का केंद्र बनी रही, क्योंकि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पुजारियों और विद्वानों ने पारंपरिक वैदिक पद्धतियों के अनुसार श्रीनिवास कल्याणोत्सवम के अनुष्ठान संपन्न किए। हजारों भक्त दर्शन के लिए कतार में खड़े रहे, जबकि विस्तृत अनुष्ठान, मंत्रोच्चार और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना पूरे आयोजन स्थल पर जारी रही।बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर जाकर बालाजी प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी भी इस समारोह में उनके साथ थे। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा और बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह भी समारोह में शामिल हुए।इस अवसर पर बोलते हुए परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी सत्यानंद सरस्वती की जन्म शताब्दी का उत्सव, जो 2023 में शुरू हुआ था, 2031 तक पद्म जयंती के रूप में जारी रहेगा, जो तपस्वी परंपरा में 108 अंक के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है। उन्होंने इस उत्सव के दौरान तिरुपति बालाजी के मुंगेर आगमन को बिहार और मुंगेर दोनों के लिए विशेष महत्व का क्षण बताया।यह समारोह स्वामी सत्यानंद सरस्वती के 6 मई, 1957 को मुंगेर में एक भ्रमणशील तपस्वी के रूप में आगमन के 69 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। शहर से जुड़ी आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार, उत्तर की ओर बहने वाली गंगा नदी ने ही उन्हें मुंगेर आने के लिए प्रेरित किया था।यहीं पर उन्होंने 1963 में बिहार स्कूल ऑफ योगा की स्थापना की, जिससे एक ऐसे योग आंदोलन की नींव पड़ी जिसे अंततः अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई। दशकों बाद, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने 2005 में मुंगेर को आधिकारिक तौर पर योग नगरी घोषित किया, जो योग दर्शन के वैश्विक प्रसार में शहर के योगदान को स्वीकार करता है।बिहार की योग परंपरा के कई निवासियों और अनुयायियों के लिए, स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आगमन दिवस का वार्षिक आयोजन न केवल एक आध्यात्मिक घटना है, बल्कि यह मुंगेर की उस पहचान की भी पुष्टि करता है जो योगिक विचारों और तपस्वी विरासत से आकारित शहर के रूप में है।इस वर्ष के उत्सवों का एक अतिरिक्त ऐतिहासिक महत्व था। पहली बार, आंध्र प्रदेश से भगवान तिरुपति बालाजी की उत्सव प्रतिमा को बिहार लाया गया और मुंगेर में पादुका दर्शन के लिए स्थापित किया गया।दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिमा भक्ति का केंद्र बनी रही, क्योंकि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पुजारियों और विद्वानों ने पारंपरिक वैदिक पद्धतियों के अनुसार श्रीनिवास कल्याणोत्सवम के अनुष्ठान संपन्न किए। हजारों भक्त दर्शन के लिए कतार में खड़े रहे, जबकि विस्तृत अनुष्ठान, मंत्रोच्चार और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना पूरे आयोजन स्थल पर जारी रही।बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर जाकर बालाजी प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी भी इस समारोह में उनके साथ थे। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा और बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह भी समारोह में शामिल हुए।इस अवसर पर बोलते हुए परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी सत्यानंद सरस्वती की जन्म शताब्दी का उत्सव, जो 2023 में शुरू हुआ था, 2031 तक पद्म जयंती के रूप में जारी रहेगा, जो तपस्वी परंपरा में 108 अंक के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है। उन्होंने इस उत्सव के दौरान तिरुपति बालाजी के मुंगेर आगमन को बिहार और मुंगेर दोनों के लिए विशेष महत्व का क्षण बताया। आयोजन में रिखियापीठ की पीठाधीश्वरी स्वामी सत्संगानंद सरस्वती, बिहार योग विद्यालय के अध्यक्ष स्वामी शिवध्यानम, स्वामी कैवल्यानंद, स्वामी शाश्वत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अनुष्ठानों से परे, इस आयोजन में एक गहरा सांस्कृतिक प्रतीकवाद निहित था।योग नगरी में तिरुपति बालाजी का आगमन दक्षिण भारतीय मंदिर परंपराओं और पूर्वी भारत की योगिक और नदी-आधारित आध्यात्मिक संस्कृति के अनूठे संगम का प्रतीक था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव विश्लेषण

लेखक-सीए अखिलेश जैन

धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद ..... न केवल धन्यवाद, बारम्बार धन्यवाद, हार्दिक बधाइयाँ आपके दूरदृष्टिपूर्ण, साहसिक सुविचारित व स्पष्ट जनादेश के लिए, एक बार फिर से बधाई व धन्यवाद, वास्तव में पश्चिम बंगाल की माताओं, बहनों, बेटियों, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं, चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में जी-जान से जुटे शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों, न्याय का झण्डा बुलन्द कर लोकतंत्र को जड़ों को मजबूती प्रदान करने वाले ज्ञात/अज्ञात सभी महानुभावों, विशिष्ट जनों, दैवीय शक्तियों के साथ-साथ भारत के संविधान निर्माताओं को जिन्होंने सत्ता को असली चाबी मतदाताओं को सोंपी है। विवेकपूर्ण, साहासिक व दूरदृष्टिपूर्ण निर्णय कि जितनी भी प्रशंसा की जावे वो छोटी ही प्रतीत होती है। जब सत्ता की असली बागड़ोर संविधान निर्माताओं ने मतदाताओं को सौंपी है, तो जिस प्रकार हर अंधेरी रात की समय-सीमा समाप्ति के साथ-साथ सूर्योदय निश्चित है उसी प्रकार निरंकुश, अत्याचारी, भ्रष्टाचारी, दुराचारी, सनातन विरोधी, माताओं-बहनों -बेटियों, जो साक्षात् देवी रूप हैं, को सुरक्षा प्रदान करने में अक्षम, लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली, देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक प्रगति में बाधक सत्ता का अन्त होना भी सुनिश्चित ही था। चुनाव प्रारम्भ होने की बेला से चुनाव आयोग की चुनाव सम्पन्न होने की अधिसूचना जारी होने तक का मतदाताओं, कार्यकर्ताओं का समीप से अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं की मानसिक स्थिति को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। मतदाताओं, कार्यकर्ताओं से संवाद में चुनाव परिणामों की तस्वीर स्पष्ट परिलक्षित हो रही थी, ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे मतदान की तिथि तक का समय एक कल्प की तरह लम्बा लग रहा है। इतनी बेसब्री मतदान के लिए, 90% से अधिक का मतदान, ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे मतदाताओं में मतदान की होड़ लग गई हो, देश-विदेश में बैठे पश्चिम बंगाल के मतदाता लाईन लगाकर, बेखौफ, मतदान के लिए जोश, जुनुन के साथ लाईन में लग गये, 40 डिग्री सेंटीग्रेट का तापमान पर महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान का निर्णय कर लिया। चाहे शहर हो, देहात हो, छोटा सा गांव, कस्बा, सूदूर जंगल में छोटी सी बस्ती हो, हर जगह शत-प्रतिशत मतदान की होड़ लगी थी, अगर आप इस मतदान के जोश की भावनाओं को समझ सकें तो चुनाव परिणाम मतदान की लाईन देखने मात्र से ही स्पष्ट था। मतदाताओं में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति विद्रोह, आक्रोश की ज्वाला धधक रही थी, जो उन्होंने मतदान शत-प्रतिशत करने को ठान कर अपने अन्तर्मन की ज्वाला को शान्त करने का मार्ग बनाया। ऐसा क्यों?

सत्तारूढ़ दल के प्रति इतना आक्रोश क्यो?- 2-3 विधायकों वाली पार्टी 77 विधायकों तक पहुंचती है, फिर सीधे 207 विधायकों पर पहुँचती है। ऐसी स्वीकार्यता में बढ़ोत्तरी क्यो?

राजनैतिक विश्लेशकों का उत्तर भी बहुत स्पष्ट है व बहुत आसान है -कि SIR के कारण 90 लाख से अधिक घुसपैठिये मतदान प्रक्रिया से बाहर हो गये, सनातन का विरोध कर ध्रुवीकरण करने के प्रयासों से आम मतदाता चिढ़ गया था, आतंक, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, गुण्डागर्दी, महिलाओं के प्रति अपराधों का बड़ता ग्राफ, बेरोजगारी, तुष्टीकरण व भविष्य अंधकारमय देख रहा था आम मतदाता। केंद्रीय बलों की उपस्थिति के कारण आम मतदाता वोट डालने का साहस कर पाया, इत्यादि, इत्यादि ......

पर एक और अति महत्वपूर्ण तर्क भी मतदाताओं को शांत नहीं बैठने दे रहा था, वो था, ममता सरकार में पश्चिम बंगाल मोदी सरकार के विकसित भारत@ 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल नहीं हो रहा था, और अगर सरकार न बदली होती तो पश्चिम बंगाल भविष्य में भारत के नक्शे पर गरीब, बीमारू व उन्नति के पैमाने पर मार्ग के किनारे पर दुखी, लाचार सा खड़ा मिलता, बच्चों का भविष्य क्या होता, बच्चों को रोजी-रोटी की तलाश में देशभर में भटकना पड़ता और बेरोजगारी दर बढ़ते ही अपराध चरम पर पहुँच जाता अर्थात राज्य का आर्थिक ढांचा चरमराते ही भविष्य अंधकारमय हो जावेगा। भारी निराशा हावी थी, एफडीआई पश्चिम बंगाल का रास्ता भूल चुका था। इंवेस्टमेंट ने पश्चिम बंगाल से अपना नाता तोड़ लिया था। देशी विदेशी पर्यटक, धार्मिक पर्यटन, राज्य से निर्यात, कृषि, औद्योगिक उत्पादन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा सब हाँसिये पर जा चुका था। केन्द्रीय योजनाओं के लिए ममता सरकार दरवाजे बंद कर चुकी थी, इस प्रकार के प्रश्नों से न केवल पश्चिम बंगाल का नुकसान हो रहा था, बल्कि जिस तरह शरीर का कोई एक अंग बीमार हो जावे तो पूरा शरीर बीमार हो जाता है, उसी प्रकार देश के एक राज्य का प्रगति की दौड़ में पिछड़ना पूरे देश की प्रगति में घातक सिद्ध होता है।

हैदराबाद नंबर 1, 5 टीमों के बीच टॉप 2 की जंग

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 51 मैचों के बाद इतना साफ नजर आ रहा है कि प्लेऑफ की रेस में अब सिर्फ 7 टीमें बची हैं। क्योंकि बची हुई तीन टीमें अब अधिकतम 14-14 अंक तक ही जा पाएंगी। प्लेऑफ के लिए पिछले कई सालों में 16 अंक का आंकड़ा जरूरी रहा है। यानी मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स को इस सीजन निराश होना पड़ेगा और उनकी उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 51 मैचों के बाद नंबर 1 बनी हुई है।

टॉप 2 के लिए किसमें जंग- टॉप 2 की रेस काफी रोचक होने वाली है। क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद 11 में से सात जीत के साथ 14 अंक लेकर टॉप पर है। अगर उसने बचे बुए तीनों मैच जीते तो शायद नंबर 1 पर ही लीग स्टेज के अंत तक रहेगी। अगर टीम 18 अंक तक रहती है तो अंत में सिर्फ हैदराबाद ही नहीं कई टीमें 18 पर ही रुक सकती हैं। ऐसे में नट रनरेट का अहम रोल हो जाएगा। फिलहाल टॉप 2 की रेस में सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस हैं। इसमें हैदराबाद तो नंबर 1 है ही लेकिन पंजाब किंग्स के पास भी एक अतिरिक्त अंक का फायदा है जब उसका लीग मैच केकेआर के साथ रद्द हो गया था। पंजाब के 10 मैचों के बाद 13 अंक हैं। बचे हुए चार मैचों में से तीन जीत भी पंजाब को टॉप 2 में बरकरार रख सकती हैं। यानी 19 अंक के साथ पंजाब 2 में दावेदारी मजबूत कर सकता है। अगर राजस्थान, आरसीबी और गुजरात की बात करें तो तीनों की स्थिति अभी समान है बस नेट रनरेट का फर्क है। इन तीनों टीमों ने 10 में से 6-6 मैच जीते हैं और चार गंवाए हैं। 12-12 अंक के साथ यह तीनों टीमें अभी टॉप 5 में हैं। इनके पास भी टॉप 2 का पूरा मौका है। बचे हुए चार में से चार मैच जीतने वाली टीम आराम से टॉप 2 में फिनिश कर सकती है। मगर ऐसा तीनों टीमें नहीं कर पाएंगी यह भी साफ है, क्योंकि आपस में भी इनके मुकाबले भिड़ेंगे।

'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा'

- रोहित शर्मा टीवी पर डेब्यू करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा अपने टेलीविजन डेब्यू के लिए तैयार हैं। 'हिटमैन' के शो का टीजर शुक्रवार (8 मई) को रिलीज

हुआ। फिलहाल शो किस चीज को लेकर होगा, उसका क्या नाम होगा यह जानकारी सामने नहीं आई है। इसका प्रसारण सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा। नीचे इस शो का टीजर देख सकते हैं।

एक मिनट और 40 सेकंड से अधिक की क्लिप में रोहित शर्मा अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए दिखते हैं, जो उत्सुकता से उनसे 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा' बोलने का आग्रह करते हैं। एक-एक करके प्रशंसक उनसे यह लाइन दोहराने के लिए कहते रहते हैं।

जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा?

प्रोमो में एक समय रोहित शर्मा इतने परेशान हो जाते हैं कि वह फोन करके अपने असिस्टेंट से कहते हैं कि उनके घर की छत पर गार्डन में हो रहा काम रोक दें, क्योंकि वह बार-बार गार्डन के बारे में सुनकर तंग आ चुके हैं। वीडियो के अंत में रोहित कहते हैं, 'दो लाइन क्या बोल दी इतना वायरल हो गया... जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा?'

फिन एलन का तूफानी शतक

केकेआर ने दिल्ली को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 51वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 8 विकेट से हराया। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में डीसी से मिले 143 रनों के लक्ष्य को केकेआर ने आसानी से 2 विकेट खोकर 14.2 ओवर में हासिल कर लिया। यह केकेआर की लगातार चौथी जीत है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान अजिंक्य रहाणे 9 गेंदों में 13 रन बनाने के बाद रन आउट होकर पवेलियन लौटे। वहीं, अंगकृष रघुवंशी को अक्षर पटेल ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। हालांकि, इसके बाद फिन एलन और कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला। दोनों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 116 रनों की अटूट साझेदारी की। एलन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए। अपनी इस पारी में एलन ने 5 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, ग्रीन 27 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में डीसी की तरफ से एकमात्र विकेट कप्तान अक्षर पटेल की झोली में आया। इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 142 रन लगाए। पाथुम निसांका और केएल राहुल ने मिलकर टीम को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। राहुल 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश राणा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर आउट हुए। समीर रिजवी को सुनील नरेन ने 3 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स (2 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (11 रन) का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पाथुम निसांका ने 29 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। वहीं, अंत के ओवरों में आशुतोष शर्मा ने 28 गेंदों में 39 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में केकेआर की ओर से कार्तिक त्यागी ने 4 ओवर में सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर 2 विकेट निकाले। दिल्ली कैपिटल्स की यह इस सीजन की सातवीं हार है, जिसके चलते टीम का प्लेऑफ में पहुंच पाने का रास्ता बेहद मुश्किल हो गया है।

राहुल ने रचा इतिहास

- दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1000 रन पूरे, पंत का रिकॉर्ड भी तोड़ा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 51वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार (8 मई) को केएल राहुल 14 गेंद पर 23 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी के दौरान उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1000 पूरे किए और इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में तीन फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2548 रन बनाए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन बनाए। अब दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1000 से ज्यादा रन हो गए। राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे कम पारियों में 1000 रन पूरे किए उन्होंने साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा। डुमिनी और पंत ने 35-35 पारियों में 1000 रन पूरे किए। राहुल ने सिर्फ 23 पारियों में उपलब्धि हासिल कर ली।

व्यापार

भारत जब ढूंढ रहा समाधान, पाकिस्तान जुआं खेलने में लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान में फिर एक बड़ा फर्क दिखाई दिया है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच जब भारत एनर्जी सप्लाई सुनिश्चित के लिए सॉल्यूशन ढूंढने में जुटा है। पाकिस्तान भविष्य पर जुआं लगा रहा है। मिडिल ईस्ट संकट ने दुनिया भर के एनर्जी मार्केट्स को हिलाकर रखा हुआ है। भारत समेत तमाम देश संभावित बड़े संकट से खुद को बचाने के लिए ईंधन की सप्लाई सुरक्षित करने की होड़ में लगे हैं। हालांकि, पाकिस्तान एक बेहद जोखिम भरे रास्ते पर चल रहा है। उसने एलएनजी (लिक्विफाइड नैचुरल गैस) की अर्जेंट खरीद से परहेज किया है। इस बात पर दांव लगाया है कि होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटें जल्द ही दूर हो जाएंगी। ऐसा होने पर कतर से सस्ती खेपें ठीक समय पर पहुंच जाएंगी। इसके अलावा, एजेंसी की ओर से कंपाइल्ड शिपिंग डेटा से पता चलता है कि मार्च की शुरुआत से अब तक देश को सिर्फ एक एलएनजी खेप मिली है। यह पिछले साल की तुलना में भारी गिरावट है। तब पाकिस्तान औसतन हर महीने लगभग नौ खेपें आयात करता था। लॉन्ग टर्म डील के तहत, कतर की ओर से सप्लाई की गई एलएनजी की कीमत स्पॉट मार्केट से खरीदी गई खेपों की कीमत से लगभग आधी होती है। स्पॉट खरीदारी से बचने से पाकिस्तान की ऊर्जा चुनौतियां और गहरी हो सकती हैं। देश पहले से ही गैस की कमी से जूझ रहा है। इसके कारण बिजली की व्यापक कटौती हो रही है। एनर्जी की स्थिति होर्मुज स्ट्रेट में जारी अस्थिरता के बीच सामने आ रही है। वहां फरवरी के अंत में लड़ाई शुरू होने के बाद से भारी वधान आया है। यह पतला जलमार्ग दुनिया का प्रमुख एनर्जी कॉरिडोर है। इस रास्ते से दुनिया की लगभग 25 प्रतिशत एलएनजी की आवाजाही होती है। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भी आवागमन होता है। वैसे तो अप्रैल की शुरुआत से ही संघर्ष विराम लागू है। लेकिन, अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से हुई झड़पों ने इस बात पर संदेह पैदा कर दिया है कि शांति बनी रहेगी या नहीं।

एपीवाय के 11 साल पूरे, 9 करोड़ लोगों का बुढ़ापा हुआ सुरक्षित, मिलेंगे हर महीने 5000 तक का पेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2047 तक सबके लिए बीमा 2047' का लक्ष्य तय किया है। इसी को ध्यान में रख कर साल 2015 में आज के ही दिन अटल पेंशन योजना की शुरुआत की गई थी। इतने दिनों में ही यह भारत सरकार की प्रमुख गारंटीकृत पेंशन योजना बन गई है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अभी तक इससे करीब नौ करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। अटल पेंशन योजना साल दर साल लोकप्रिय होते जा रहा है। भारत सरकार के आंकड़े के अनुसार 31 मार्च 2026 तक इस योजना से 8.96 करोड़ लोग इससे जुड़ चुके हैं। इनके हर महीने होने वाले योगदान का संपूर्ण लेखा-जोखा देखा जाए तो अब तक इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 51,416 करोड़ रुपये हो चुका है। इस समय भारत एक महत्त्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। साल 2050 तक 60 साल से अधिक आयु की आबादी लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। परंपरागत रूप से भारत में बुढ़ापे की सुरक्षा परिवार, समुदाय, अनौपचारिक बचत और खेतीबारी से होने वाली आमदनी पर निर्भर रही है। लेकिन समाज के गरीब, भूमिहीन कामगार, दिहाड़ी मजदूरी करने वाले और फेरी लगाने वाले या ढेला लगा कर कुछ बेचने वाले इससे बाहर हैं। असंगठित क्षेत्र के इन्हीं लोगों को ध्यान में रख कर इनके लिए साल 2015 में 9 मई को अटल पेंशन योजना की शुरुआत की गई थी।

जिस चीन से 24 लाख करोड़ का ट्रेड, उस पर निर्भरता घटा भारत पर भरोसा कर रहा वियतनाम

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद वियतनामी लीडर टो लैम चीन गए तो बहुत कम लोग हैरान हुए। हर बड़ा वियतनामी लीडर ऐसा करता रहा है। यह आर्थिक जरूरत की कड़वी सच्चाई को दिखाता है। बीजिंग वियतनाम का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इकनॉमिक लाइलाइन। हालांकि, शी जिनपिंग से मिलने के कुछ ही हफ्तों के अंदर टो लैम नरेंद्र मोदी के साथ हाई-लेवल बातचीत के लिए नई दिल्ली पहुंचे। इस दौरे के आखिर तक भारत -वियतनाम ने अपने रिश्तों को 'एन्हांस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' तक बढ़ा दिया। यह भारत की ओर से किसी भी देश को दी जाने वाली सबसे टॉप डिप्लोमैटिक कैटेगरी है।

दोनों दौरों ने वियतनाम की बैलेंसिंग स्ट्रैटेजी की एक साफ झलक दिखाई। वह चीन पर बढ़ती डिपेंडेंस से निपट रहा है। साथ ही भारत के साथ चुपचाप स्ट्रैटेजिक कोऑपरेशन को गहरा कर रहा है। यह इस क्षेत्र के कई देशों के लिए संकेत है। चीन की विस्तारवादी सोच से पार पाने के लिए भारत पर भरोसा करना ही विकल्प है।

दो दशकों से सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

वियतनाम के लिए चीन के साथ रिश्तों को मैनेज करना ऑप्शनल नहीं है, यह स्ट्रक्चरल है।चीन दो दशकों से ज्यादा समय से वियतनाम का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है।

2025 में दोनों देशों का ट्रेड लगभग 256 अरब डॉलर (करीब 24 लाख करोड़) तक पहुंच गया है।यह आंकड़ा ज्यादातर दूसरे देशों के साथ वियतनाम के आर्थिक जुड़ाव को बहुत छोटा कर देता है। हाल ही में बीजिंग का दौरा इस सच को दिखाता है। वियतनाम और चीन ने रेलवे कोऑपरेशन बढ़ाया। इसमें उत्तरी वियतनाम को चीन के युन्नान प्रांत से जोड़ने वाली लाओ काई-हनोई-हाइफोंग लाइन पर प्रोग्रेस शामिल है। दोनों देशों ने डिप्लोमेसी, डिफेंस और पब्लिक सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन से जुड़े '3+3' मैकेनिज्म को भी गहरा किया।

चीन का अंदर ही अंदर खतरा

लेकिन, गर्मजोशी के नीचे हनोई के अंदर गहरी स्ट्रैटेजिक चिंता छिपी है। दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ वियतनाम का तनाव अभी भी अनसुलझा और बहुत सेंसिटिव है। बीजिंग इंटरनेशनल कानूनी चुनौतियों और क्षेत्रीय विरोध के बावजूद विवादित 'नाइन-डैश लाइन' के जरिए बड़े समुद्री दावों पर जोर दे रहा है। यह अविश्वास इतिहास में उतना ही है जितना कि जियोपॉलिटिक्स में। चीन ने 1974 में साउथ वियतनाम से पैरासेल आइलैंड्स पर कब्जा कर लिया था। 2014 में बीजिंग ने वियतनाम के दावे वाले पानी में चल रहे एक सरकारी तेल रिग के आस-पास दर्जनों जहाज तैनात कर दिए। इनमें जंगी जहाज भी शामिल थे। हाल ही में चीन ने इस साल की शुरुआत में स्प्रैटली आइलैंड्स में वियतनामी कंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज पर एतराज जताया। इससे एक बार फिर यह पता चला कि बढ़ते ट्रेड संबंधों के बावजूद रिश्ते कितने नाजुक हैं।

यहीं से पिक्चर में आता है भारत

ठीक यहीं पर भारत इस मामले में आता है। लैम के भारत दौरे से डिफेंस, ट्रेड, डिजिटल पेमेंट, हेल्थकेयर, एजुकेशन और रेयर अर्थ कोऑपरेशन से जुड़े 13 एग्रीमेंट हुए। रेयर अर्थ वाला हिस्सा खास तौर पर जरूरी है। इसलिए क्योंकि यह दोनों देशों की चीन के कंट्रोल वाली सप्लाई चेन पर निर्भरता कम करने की कोशिशों का इशारा करता है। दोनों पक्षों ने 2030 तक आपसी ट्रेड को 25 अरब डॉलर तक बढ़ाने का टारगेट भी रखा है। लेकिन, डिफेंस संबंध पार्टनरशिप का सबसे स्ट्रेटेजिक रूप से जरूरी हिस्सा बना हुआ है। वियतनाम ने ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, खासकर समुद्री सुरक्षा के लिए डिजाइन किए गए कोस्टल एंटी-शिप वेरिएंट को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। अगर डील फाइनल हो जाती है तो यह डील लगभग 63 करोड़ डॉलर की हो सकती है। इसमें ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट शामिल होगा। यह कदम फिलीपींस की ओर से भारत से पहले ब्रह्मोस खरीदने के बाद उठाया गया है। चीन की समुद्री दादागिरी से परेशान देशों के लिए एक रीजनल डिफेंस सप्लायर के तौर पर भारत की बढ़ती स्थिति को और मजबूत करता है। भारत ने पहले वियतनाम को एक मिसाइल कोरवेट गिफ्ट किया था। जॉइंट एक्सरसाइज और लॉजिस्टिक्स अरेंजमेंट के जरिए नेवल कोऑपरेशन बढ़ाया था।

वियतनाम ऑफिशियली अपनी फॉरेन पॉलिसी के तरीके को 'बैम्बू डिप्लोमेसी' कहता है। यह आइडिया बिना झुके फ्लेक्सिबिलिटी की स्ट्रैटेजी दिखाता है। इसे वियतनाम के पूर्व लीडर गुयेन फू ट्रोंग ने बताया था। बैम्बू की तरह वियतनाम जियोपॉलिटिकल प्रेशर में बिना टूटे फ्लेक्सिबल रहना चाहता है। किसी एक बड़ी ताकत के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय हनोई ने भारत, अमेरिका, जापान, साउथ कोरिया और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों के साथ बड़ी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप बनाई है।

भारत क्यों बैठता है फिट

भारत उस फ्रेमवर्क में अच्छी तरह से फिट बैठता है। नई दिल्ली बिना किसी ऐसे पॉलिटिकल हालात, अलायंस की उम्मीदों या इलाके के झगड़ों के स्ट्रैटेजिक सहयोग देता है जो वियतनाम के बड़ी ताकतों के साथ रिश्तों को मुश्किल बनाते हैं। चीन के उलट भारत का वियतनाम के साथ कोई समुद्री झगड़ा नहीं है। अमेरिका के विपरीत भारत के डिफेंस रिश्ते बदलते अलायंस के हिसाब-किताब या घरेलू पॉलिटिकल बहस से नहीं जुड़े हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)